Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

● वर्ष : 15 ● अंक-258 ● रायपुर, मंगलवार 17 अक्टूबर 2023 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
कार्तिक शुक्ल पक्ष
पक्ष- तृतीया

सुविचार

जिसे करने में आपको आनंद आये, उसमे सफलता ना मिले ऐसा हो नही सकता।
-स्वदेश तिवारी

3 मतदान दलों के प्रशिक्षण का प्रथम चरण शुरू

5 ठंड की दस्तक.. सुबह छाने लगी हल्की धुंध, हिल स्टेशन की खूबसूरती बढ़ी

7 पिंक बूथ एवं दिव्यांग बुथ के मतदान दलों का हुआ प्रशिक्षण

हमास की कैद में 199 लोग

ज्ल्द ही लेबनान बॉर्डर भी खाली कराएगा इजराइल सेना...

अवीव/ एजेंसी

इजराइली डिफेंस फोर्स का कहना है कि 199 लोग हमास के लड़ाकों की कैद में हैं। पहले ये आंकड़ा 120 बताया गया था। लड़ाके इन बंधकों को गाजा ले गए हैं। इधर, इजराइल-हमास जंग के बीच लेबनान में एक और मोर्चा खुलने जा रहा है। इजराइल ने कहा है कि लेबनान बॉर्डर पर भी 2 किलोमीटर दूर तक का इलाका खाली कराया जाएगा। कल लेबनान में हुए हिजबुल्लाह के अटैक के बाद इजराइल ने जवाबी कार्रवाई की थी। इसके बाद इजराइल की 28 कम्युनिटीज को वहां से हटाकर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जल्द इजराइल का दौरा कर सकते हैं। हालांकि, तारीख अभी तय नहीं है। एक अमेरिकी अफसर ने न्यूज एजेंसी एपी से कहा- इजराइल के साथ एकजुटता और मारे गए लोगों के लिए संवेदना जताने का यह तरीका होगा। इजराइल के गाजा पर किए गए हमले में हजार लोग लापता हैं। इनके मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं, इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें दक्षिणी गाजा में राफह

क्रॉसिंग पर युद्ध विराम पर सहमति बनने की बात कही गई थी। फिलहाल गाजा खाली करने के लिए राफह क्रॉसिंग एकलौता रास्ता है। इजराइल-हमास जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि हमास का खात्मा जरूरी है, लेकिन गाजा पर कब्जा इजराइल की बड़ी गलती होगी। उन्होंने कहा- हमास ने बर्बरता की है। इस संगठन का खात्मा जरूरी है, लेकिन फिलिस्तीन लोगों के लिए भी देश होना चाहिए, अलग सरकार होनी चाहिए। वहीं, अगर इजराइल गाजा पर कब्जा कर लेता है तो ये उसकी बहुत बड़ी गलती होगी। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, आने वाले दिनों बाइडेन इजराइल जा सकते हैं। एपी ने व्हाइट हाउस के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि बाइडेन की इजराइल विजिट की डेट फिलहाल फाइनल नहीं हुई है। इधर, इजराइल डिफेंस फोर्स ने हमास के हमले से पहले और बाद की सैटेलाइट फोटो शेयर की। इसमें जली हुई इमारतें और काला धुआं दिखा रहा है। 7 अक्टूबर से शुरू हुई जंग का आज 10वां दिन है। अब तक इजराइल के हमलों से गाजा में 2,450 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इनमें 724 से ज्यादा बच्चे और 370 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। वहीं, हमास के हमले में करीब 1,400 इजराइली मारे गए हैं। इजराइली एयरफोर्स ने ग्राउंड फोर्सेज को गाजा पट्टी पर बड़े हमले से पहले इलाके का हवाई दौरा कराया है। टाइम्स ऑफइजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक गाजा पट्टी पर हमले के लिए उन कमांडर्स को चुना गया है, जो पहले भी गाजा में तैनात रह चुके हैं। दरअसल, 2005 से पहले गाजा पट्टी पर इजराइल का ही कब्जा था। इस इलाके को इजराइल ने 1967 की जंग के बाद जीता था। हालांकि, 2005 में ओस्लो संधि के बाद यहां से अपनी फौज को हटाकर, कब्जा भी छोड़ दिया था। अलजजीरा के मुताबिक, इजराइली सैनिकों ने वेस्ट बैंक में रेड की है। इस दौरान जेरिको के अकाबत जब्र कैंप में रहना वाला एक फिलिस्तीनी मारा गया है। यहां से कई फिलिस्तियों को गिरफ्तार भी किया गया है। जंग शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में 53 लोगों की मौत हुई है।

1,100 लोग घायल हुए हैं। इजराइल गाजा से लोगों को निकालने पर आमादा है, लेकिन सवाल ये है कि यहां से निकाले जाने के बाद गाजा के लोग शरण कहां लेंगे। 15 अक्टूबर को इजिप्ट ने साफ कर दिया कि वो गाजा के लोगों को अपने सिनाई रेगिस्तान में रुकने की मंजूरी नहीं देगा। रविवार को इजिप्ट सरकार की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की इमरजेंसी मीटिंग हुई। प्रेसिडेंट अब्देल फतेह अल सीसी ने इसकी अध्यक्षता की। मीटिंग के बाद जारी बयान में सीसी ने कहा- हमारी सुरक्षा ही हमारी लक्ष्मण रेखा है और इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आ सकती है दूसरी सूची,टीएस सिंहदेव बोले-परफार्मेंस ही टिकट का आधार,भूपेश बघेल भी होंगे शामिल

दिल्ली में आज सीईसी उपसमिति की बैठक

रायपुर/ संवाददता

दिल्ली में 17 अक्टूबर को कांग्रेस सेंट्रल इलेक्शन कमेटी की उपसमिति की बैठक होगी। इस बैठक में कांग्रेस की दूसरी सूची के नामों पर अंतिम मुहर लगेगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, डिप्टी सीएम टी एस सिंहदेव, प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज बैठक में शामिल होंगे। इस बैठक के बाद कांग्रेस की दूसरी सूची 18 या 20 अक्टूबर को जारी हो सकती है। संभावना है कि दूसरी सूची में लगभग 35-40 नाम होंगे। नए और पुराने चहरों को मिलकर ये लिस्ट जारी होगी। दिल्ली रवाना होने से पहले टीएस सिंहदेव ने कहा कि हमारा काम सुझाव देना है। हाईकमान तय करेगा कि नाम घोषित कब करना है। सेंट्रल इलेक्शन कमेटी की उपसमिति की बैठक में शा ?मिल होने दिल्ली रवाना होने से पहले डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा- कांग्रेस की 60 बची सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कल शाम तक या परसों हो सकती है। मंगलवार को लंच से पहले छत्तीसगढ़ की सीटों पर चर्चा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि परफॉर्मेंस ही टिकट का आधार होगा। टीएस सिंहदेव ने कहा कि बदलाव प्रकृति

का नियम है। अभी 30 सीटों की घोषणा में आठ सीटें बदली हैं। 60 में भी कुछ बदल सकते हैं। आधार परफॉर्मेंस होगा। हर आदमी एक जैसा नहीं खेलता। क्रिकेट की टीम बनती है तो वही आदमी 20 साल नहीं खेलता। क्रिकेट की टीम में चयन होता है तो कभी कोई ओपनर है, कभी कोई नंबर तीन है। अभी केएल राहुल फॉर्म में हैं। कभी शुभम गिल खेल रहा है। जरूरत के हिसाब से हमेशा बदलाव होता है। दूसरी सूची में भी 10 से 12 विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं। सर्वे के आधार पर जिन विधायकों की रिपोर्ट कमजोर हैं उन सभी को पार्टी इस बार टिकट नहीं दे रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से लेकर कांग्रेस के तमाम नेता लगातार ये कहते आए हैं कि पार्टी केवल जिताऊ उम्मीदवार को ही मैदान में उतारेगी। नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। पहली सूची में जिन विधायकों का टिकट काटा गया है, उनमें पंडरिया से ममता चंद्राकर, खुज्जी से छन्नी साहू, चित्रकोट से राजमन बेंजाम, दंतेवाड़ा से देवती कर्मा अंतागढ़ से अनूप नाग, डोंगरगढ़ से भुवनेश्वर बघेल, नवागढ़ से गुरुदयाल बंजारे, कांकेर से शिशुपाल सोरी का नाम शामिल हैं। राजमन बेंजाम की जगह प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद दीपक बैज चुनाव लड़ेंगे। कर्मा परिवार से देवती कर्मा की जगह अब उनके बेटे छविंद्र कर्मा को मौका मिला है।

फिलहाल, प्रदेश में कांग्रेस के 71 विधायक हैं। पार्टी अपनी दूसरी सूची में उन 19 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम जारी कर सकती हैं जहां अभी उसके विधायक नहीं हैं। ऐसा ?इसलिए ताकी प्रत्याशी को अपने प्रचार के लिए ज्यादा समय मिल सके। इससे पहले दिल्ली में 12 अक्टूबर को सीईसी की बैठक हुई थी। इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद राहुल गांधी समेत प्रदेश के बड़े नेता शामिल हुए थे। इसी बैठक के बाद कांग्रेस की पहली सूची 15 अक्टूबर को जारी की गई थी जिसमें 30 नाम आए थे।

छत्तीसगढ़ के 24 भाजपा नेताओं को मिली एक्स-कैटेगरी की सुरक्षा

हमर छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव में नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग के 24 भाजपा नेताओं को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक्स कैटेगरी की सुरक्षा मुहैया कराई है। इनमें जिलाध्यक्ष सर लेकर पार्षद के

नाम शामिल हैं। गौरतलब है कि बीते तीन माह में स्थानीय स्तर के तीन भाजपा नेताओं की नक्सलियों ने हत्या कर दी थी।जिस पर भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने विधानसभा चुनाव में सुरक्षा की मांग उठाई थी।इसी आधार पर नेताओं के साथ दो बंदूकधारी हर समय तैनात रहेंगे।इनमें किरणदेव, सुधीर पांडे,मनीष सुराना, रामु नेताम,कमला नाग,जसवीर नेगी,संतोष गुप्ता,कामो कुंजाम,सत्यजीत चौहान,कुलदीप ठाकुर,सोमदु कोर्राम,धीरेंद्र सिंह,श्रीनिवास मुदलियार,कमलेश मंडावी,लवकुश रायडू,फूलचंद गागड़ा,घसिराम नाग,जगार लक्ष्मैय्या,संजय लुक्कड़,संजय सोढ़ी,जसकेतु उसेंडी,देवलाल दुग्गा और भरत मटियारा को एक्स कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान की गई है।

आयोग द्वारा निर्वाचन-व्यय की सीमा 40 लाख निर्धारित

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने का शंखनाद हो गया है और इसके साथ ही आचार संहिता प्रभावशील हो गई है।चुनाव आयोग ने प्रत्याशियों के लिए निर्वाचन-व्यय के लिए 40 लाख रुपए की सीमा का निर्धारण किया है।आयोग के दिशा-निर्देश के मुताबिक,चुनाव से पूर्व अभ्यार्थी को एक पृथक बैंक अकाउंट खोलना होगा तथा नामांकन पत्र दाखिले के एक दिन पूर्व बैंक अकाउंट खोलकर उसकी सूचना देनी होगी,जिसमें बैंक अकाउंट का नम्बर का उल्लेख

करना होगा। गौरतलब है कि नाम निर्देशन की तारीख से लेकर परिणाम की घोषणा होने की तारीख दोनों तारीखों को सम्मिलित करते हुए बैंक अकाउंट में समस्त व्यय उक्त बैंकिंग अकाउंट में स्वयं या उसके निर्वाचन एजेंट द्वारा किया जावेगा।नामांकन पत्र जमा करते समय अभ्यर्थी की अपनी चल-अचल संपत्ति की जानकारी शपथ में देनी होगी।प्रचार अवधि के दौरान अभ्यार्थी को कम से कम 3 बार स्वयं या निर्वाचन एजेंट के माध्यम से प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा व्यय प्रेक्षक के सम्मुख निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करना होगा।परिणाम घोषणा के 30 दिनों के भीतर अभ्यार्थी को अपने लेखे का विवरण ज़िला निर्वाचन अधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत करना होगा।

भाजपा चुनाव कंट्रोल रूम की ज़िम्मेदारी उपासने को मिली

हमर छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बज गई है।ऐसे में,भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने सर्वाधिक महत्वपूर्ण चुनाव कंट्रोल रूम की कमान वरिष्ठ नेता सच्चिदानँद उपासने को सौंपी है।उपासनेजी के सहयोगी के रूप में प्रदेश मंत्री रामु रोहरा व प्रदेश प्रशिक्षण अधिकारी अवधेश जैन होंगे। उपासनेजी ने तत्काल प्रभाव से एकात्म परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में अपनी टीम के साथ सम्हाल ली है।

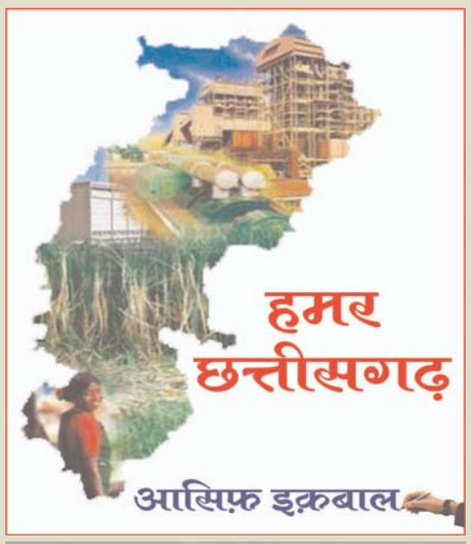

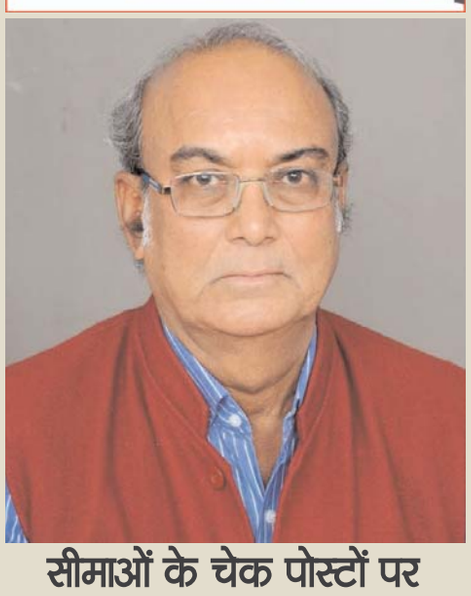

सीमाओं के चेक पोस्टों पर चेकिंग में कड़ाई, बड़ा मामला पकड़ाया

चुनावों की घोषणा व आचार संहिता प्रभावशील होते ही पूरा राज्य चुनाव आयोग की कमान पर आ गया है।इसी वजह से छत्तीसगढ़ राज्य से लगी पडौसी राज्यों की सीमाओं पर चेकपोस्टों में सख्ती से वाहनों की चेकिंग की जा रही है और इसके बेहतर नतीजे उजागर होने लगे हैं।महासमुंद ज़िले में कोमाखान पुलिस ने टेमरी चेकपोस्ट पर बिना दस्तावेजों के लाखों के सोने-चांदी के गहनों की बरामदगी की है।

बताया जा रहा है कि पुलिस ने 63 लाख रुपए के 48.749 किलो चांदी के जेवरात और 912 ग्राम सोने के गहने के साथ एक लाख रुपए कैश की बरामदगी ओडिसा से आने वाले वाहनों से की गई है।मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है।

किंग कोबरा संरक्षण प्रोजेक्ट : नोवा नेचर का चयन

हमर छत्तीसगढ़ में नोवा नेचर वेलफेयर सोसायटी का चयन किया गया है।नोवा नेचर को किंग कोबरा(सर्प) के संरक्षण के पायलट प्रोजेक्ट का दायित्व मिलेगा।गौरतलब है कि किंग कोबरा को दुनिया का सबसे ज़हरीला सर्प माना गया है,जिसकी लम्बाई ही 18 फुट होती है।लगभग दो साल पहले वन विभाग ने किंग कोबरा के संरक्षण के लिए पहल की थी क्योंकि सौर नगरी कोरबा में दुर्लभ प्रजाति के विषधर किंग कोबरा के बारे में पहली बार पता चला था,खासकर उसके रहवास के केबारे में जानकारियां मिली थी।सौर नगरी कोरबा और उसके आसपास किंग कोबरा की रिपोर्ट्स के साथ उसकी केंचुली और घोसलों(रहवास) का पता चला था।इस खास किस्म के सर्प को और बारीकी से जानने और उनके रहवास के सर्वेक्षण करने के लिए निविदा आमंत्रित की गई थी।इस निविदा का उद्देश्य स्थानीय लोगों को जागरूक व सतर्क करना भी है और इसके माध्यम से इस दुर्लभ प्रजाति का संरक्षण करने के साथ ही कोरबा ज़िले में किंग कोबरा का बेहतर सर्पदंश प्रबंधन करना भी है।यह संस्था अगले एक साल में कोरबा और उसके आसपास किंग कोबरा के बारे में सम्पूर्ण महत्वपूर्ण जानकारियां सौंपेगी। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से स्वास्थ्य,शिक्षा व अन्य विभागों के साथ मिलकर बेहतर कार्य प्रणाली को तैयार करेंगे।

रायगढ़ प्रेस क्लब के लिए भूमि व भवन निर्माण करने 20 लाख का अनुदान

हमर छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल की सरकार पत्रकारों के लिए हमेशा से हितकारी रही है।इसका प्रत्यक्ष प्रमाण देखने मिला जब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रायगढ़ प्रेस क्लब के लिए भवन तथा पत्रकारों की कालोनी निर्माण करने के भूमि आवंटन की घोषणा करते हुए निर्माण करने 20 लाख का अनुदान को मंजूरी दी।गौरतलब है कि रायगढ़ प्रेस क्लब द्वारा लंबे समय से मांग की जा रही थी,जिसे चुनाव आचार संहिता के पूर्व मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दी।मांग पूरी होने पर रायगढ़ प्रेस क्लब के संरक्षक उदयराम थवाईत ने इसे रायगढ़ के पत्रकारों के लिए गौरवशाली क्षण निरूपित किया है।रायगढ़ प्रेस क्लब के अध्यक्ष हेमंत थवाईत एवं सचिव नवीन शर्मा ने मुख्यमंत्री,ज़िले के प्रभारी मंत्री व कलेक्टर से मिले सहयोग के लिए तहेदिल से आभार व्यक्त किया है।मालूम रहे कि शहर के डिग्री कालेज मार्ग पर भूमि आवंटन का आदेश जारी हुआ है।

मध्यप्रदेश में सिवनी शहर के युवा व चर्चित शायर मिन्हाज कुरैशी फरमाते हैं,,// हर वादा बस चुनाव के मैदान तक है क्या,रिश्ता आपसे मतदान तक है क्या।सपने विकास के जो दिखाए थे आपने, साकार होना आपकी संतान तक है क्या।।

बिग बॉस में मेरी यात्रा रोलर कोस्टर राइड जैसी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान बिग बॉस 17 को होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि रियलिटी शो के साथ उनकी यात्रा एक रोलर कोस्टर राइड के जैसी रही है। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने शो को न केवल बड़े पैमाने पर, बल्कि लोकप्रियता में भी बढ़ते देखा है। इस साल यह शो अलग-अलग तरह के नए एलिमेंट्स और एंटरटेनमेंट के साथ दर्शकों को बांधे रखेगा। इस साल की थीम भी कंटेस्टेंट्स के लिए एक चेतावनी है, इस बार गेम नहीं होगा, सबके लिए सेम टू सेम, इस बार तीन गेम-चेंजिंग मंत्र है- दिल, दिमाग और दम...

शो को होस्ट करना सलमान खान के लिए एनुअल ट्रेडिशन है, जिसके वार और रियलिटी चेक में ड्रामा और ग्लैमर का बड़ा डोज मिलेगा। बिग बॉस के साथ अपने संबंध के बारे में बात करते हुए सलमान ने कहा, बिग बॉस के साथ मेरी जर्नी एक रोलर कोस्टर राइड के अलावा और कुछ नहीं रही है। इन सालों में, मैंने शो को न केवल बड़े पैमाने पर, बल्कि लोकप्रियता में भी बढ़ते देखा है। उन्होंने कहा, दुनिया भर में लाखों भारतीयों के साथ जुड़ते हुए एक आवाज बनना बड़ी जिम्मेदारी है। शो का सबसे खास हिस्सा लोगों को बढ़ते देखना है। दबंग एक्टर ने कहा, बिग बॉस के बारे में एक चीज जो कभी नहीं बदलेगी, वह है, इसकी अनप्रिडिक्टेबिलिटी। यह शो अलग-अलग बैकग्राउंड्स से आने वाले कंटेस्टेंट्स के व्यक्तित्व और प्रतिक्रियाओं पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, दूसरी चीज जो नहीं बदलेगी वह है दर्शकों से मिलने वाला प्यार। शो में चाहे कितनी भी योजना बनाई जाए, कंटेस्टेंट्स के बीच की गतिशीलता, उनके संघर्ष और उनके गठबंधन हमेशा दर्शकों को उत्साहित रखते हैं।

शो के 17वें संस्करण की मेजबानी पर, सलमान ने कहा, इस बार, बिग बॉस कंटेस्टेंट्स के साथ अपने तरीके से गेम खेलेंगे। यह शो मनोरंजन, भावनाओं और नाटक के बारे में है। इस सीजन में तीन गेम-चेंजिंग मंत्र, दिल, दिमाग और दम... शुरुआत के साथ इन तीनों एलिमेंट्स को पूरी तरह से नए लेवल पर ले जाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, दिल, दिमाग और दम इस सीजन के तीन गेम-चेंजिंग मंत्र हैं। वह उन लोगों के साथ जुड़ेंगे जो अपने दिल से खेलना चुनते हैं, उन लोगों को सलाह देंगे जो दिमागी खेल में शामिल होने में काफी चतुर हैं और साहसी लोगों की सराहना करेंगे। यह शो कलर्स और जियो सिनेमा पर प्रसारित होगा।

मृणाल ठाकुर को आसानी से नहीं मिली थी फिल्मे, लोग मुझे ग्लैमरस डांस नंबर करने की सलाह देते थे

मृणाल इन दिनों अपनी फिल्म आंख मिचौली को लेकर चर्चा में हैं। वो उन अभिनेत्रियों में से हैं जिन्होंने टीवी की दुनिया से निकलकर फिल्मों में जगह बनाई हालांकि मृणाल के लिए ये सफर आसान नहीं रहा। इसका जिक्र उन्होंने पिछले साल एक इंटरव्यू में किया था जिसमें उन्होंने कहा था कि जब उन्हें फिल्मों में ब्रेक नहीं मिल रहा था तो उनके मन में ट्रेन से कूदने तक के ख्याल आते थे। इस इंटरव्यू के बाद मृणाल से कई लोगों ने सवाल करने शुरू दिए जिससे वो परेशान हो गई। मृणाल ने ये भी बताया कि शुरुआत में लोग उन्हें ग्लैमरस डांस नंबर करने की सलाह देते थे।

मैं कभी विक्टिम नहीं बनना चाहती थी

मृणाल ने कहा, कुछ वक्त पहले मैंने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू किया था जहां मैंने बहुत ईमानदारी से अपनी बात रखी थी। हर सवाल का जवाब मुझे जैसा सही लगा, वैसे मैंने दिया। मैं कभी विक्टिम नहीं बनना चाहती थी और उस इंटरव्यू के दौरान भी मैं अपनी जिंदगी में जिस भी चीजों से गुजरी हूं, उस बारे में खुलकर बातचीत की। हालांकि, उस इंटरव्यू पर कई लोगों ने सवाल करना शुरू कर दिए। पहले तो बहुत बुरा लगा फिर मैंने कमेंट करना बंद कर दिया।

केवल ग्लैमरस दिखने पर ही फोकस करती थी

मृणाल ने आगे कहा, अपने करियर की शुरुआत में मुझे लगता था कि काश मुझे एक ग्लैमरस रोल मिल जाए। उस वक्त मैं सिर्फ ग्लैमरस दिखने पर ही फोकस करती थी। यहां तक कि मेरे आसपास के लोग भी मुझे एक ग्लैमरस डांस सॉन्ग करने की सलाह दिया करते थे ताकि मुझे एक कमर्शियल फिल्म या कोई एक्शन फिल्म मिल जाए। उस वक्त मैं समझ ही नहीं पाती थी कि मैं किस दौर में हूं। उस वक्त मेरे अंदर से आवाज आती थी। मैंने खुद से सवाल करना शुरू कर दिए थे। यदि कोई मुझसे बेहतर डांसर है तो मैंने अपनी स्ट्रेंथ पर काम करना शुरू कर दिया। मुझे एहसास हुआ कि मैं किसी सीन या इमोशंस को अच्छे से समझ पाती हूं, मैंने उस पर काम किया। कुछ लोगों का मानना है कि मेरा लुक काफी इंडियन है, मैंने इसमें भी अपनी खुशी ढूंढ ली। हां, मैं मिसफिट हूं लेकिन अब इसे मैं बतौर कॉम्पलिमेंट देखती हूं।

आंख मिचौली की शूटिंग खूब एंजॉय की

फिल्म आंख मिचौली में अपने किरदार को लेकर मृणाल कहती हैं, फिल्म में मैं एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं जो पार्शियली ब्लाइंड है। ये किरदार निभाना काफी चैलेंजिंग था क्योंकि मैंने पहले कभी ऐसा नहीं किया है। दरअसल, मेरे पेरेंट्स को पता नहीं होता कि मैं किस तरह के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हूं। तो इस फिल्म के दौरान, वो मुझसे पूछते रहते थे - बेटा, तुम अंधी हो क्या? (हंसते हुए) हमने सेट पर बहुत कॉमेडी की, इस कहानी का हिस्सा बनकर बहुत ही मजा आया। मुझे उम्मीद है कि हमने फिल्म जितनी एंजॉय की, ऑडियंस भी इसे उतना ही एंजॉय करेगी।

मृणाल ने कहा, मुझे ह्यूमन ड्रामा बहुत पसंद हैं। मुझे ऐसा एक नॉर्मल किरदार स्क्रीन पर निभाना है जिसपर रियल लाइफ में कोई ध्यान नहीं देता। कुछ कहानिया ऐसी होती हैं जो हमारे इर्द-गिर्द होती तो हैं लेकिन हमें महसूस नहीं होता। लेकिन, जब उन कहानियों को बतौर फिल्म देखो तो मजा आ जाता हैं। साथ ही फैंटसी एक ऐसा जॉनर है जिसे मैं एक्स्प्लोर करना चाहूंगी जिसे पूरा परिवार साथ मिलकर देख सके। मृणाल ठाकुर ने 2018 में फिल्म लव सोनिया से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके अलावा उन्होंने सुपर 30 और बाटला हाउस जैसी फिल्मों में भी काम किया।

शाहिद कपूर के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म में नजर आएंगी पूजा हेगड़े

साउथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने बॉलीवुड में भी अपनी एक अलग पहचान बना ली है। बीते दिनों वह सलमान खान के साथ किसी का भाई किसी की जान में नजर आई। वहीं अब पूजा शाहिद कपूर के साथ रोमांस करती नजर आने वाली हैं। ज़ी स्टूडियो और रॉय कपूर फिल्म्स द्वारा निर्मित रोशन एंड्रयूज की आगामी एक्शन थ्रिलर में वह शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म के लिए पूजा हेगड़े को मुख्य महिला के रूप में चुना गया है। यह शाहिद कपूर और निर्देशक रोशन एंड्रयूज के साथ उनका पहला सहयोग है। ज़ी स्टूडियो के सीईओ शारिक पटेल और निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर ने कहा, पूजा हेगड़े को बोर्ड पर लाना हमारे लिए एक आसान निर्णय था क्योंकि वह बेहद बहुमुखी और आशाजनक हैं। उनके साथ जोड़ी बनाने वाले किसी भी अभिनेता के साथ उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री व्यापक रूप से पहचानी जाती है, और हमें यकीन है कि दर्शकों को इस फिल्म में उनका दूसरा पक्ष देखने को मिलेगा। हम उन्हें इसमें शामिल करके बहुत खुश हैं। पूजा हेगड़े ने कलाकारों में शामिल होने के बारे में अपना उत्साह साझा किया और कहा, यह एक रोमांचक लेकिन अलग कहानी वाली एक बहुत ही खास फिल्म है। रोशन एंड्रयूज बड़े पर्दे पर जादू बुनने के लिए जाने जाते हैं, और मैं इस यात्रा को शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। ताकि दर्शक मुझे ऐसी अनूठी और अलग भूमिका में देख सकें। एक्ट्रेस ने कहा, मैं शाहिद कपूर के साथ काम करने के लिए भी उत्सुक हूं; वह एक शानदार कलाकार हैं और मुझे उम्मीद है कि हमारा सहयोग यादगार रहेगा।

आखिरी मोमेंट पर मनस्वी ममगई ने छोड़ा बिग बॉस 17

अभिनेत्री मनस्वी ममगई रियलिटी शोबिग बॉस 17 में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार थीं हालांकि, पूर्व मिस इंडिया अब शो का हिस्सा नहीं होंगी। सूत्रों की मानें तो मनस्वी ने ऐन मौके पर शो में एंट्री करने से इंकार कर दिया।

शो से जुड़े करीबी बताते हैं, प्रतियोगियों ने गुरुवार को अपने शो में एंट्री की शूटिंग की और उन्हें शुक्रवार को घर में एंट्री करनी थी। लेकिन स्टेज पर आने से कुछ घंटे पहले ही मनस्वी के टीम मेंबर्स का प्रोडक्शन टीम के साथ कुछ मतभेद हो गया जिसके बाद मनस्वी शो में एंट्री से पीछे हट गई। जब प्रोडक्शन मेंबर्स ने मनस्वी के शो ज्वाइन ना करने के फैसले पर सवाल उठाए तो वह हेल्थ इश्यू बताकर शो से बैकऑउट हो गई।

मनस्वी की जगह सना रईस बनीं कंटेस्टेंट

शो के मेकर्स को मनस्वी की रिप्लेसमेंट मिल गई है। सूत्रों की मानें तो एडवोकेट सना रईस खान अब उनकी जगह लेंगी। अपनी बेटी शीना बोरा की हत्या के मामले में छह साल से जेल में बंद इंद्राणी मुखर्जी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई थी। इंद्राणी की वकील सना रईस खान ने उनका पूरा केस लड़ा था। सिर्फ इंद्राणी ही नहीं, बल्कि सना ने अविन साहू का केस भी लड़ा था। अविन साहू को आर्यन खान ड्रग्स केस के मामले में अरेस्ट किया गया था। बता दे, एक्ट्रेस मनस्वी ममगई ने हाल ही में रिलीज हुई बेव सीरीज द ट्रायल से ओटीटी की दुनिया में कदम रखा है।। साल 2014 में आई अजय देवगन की फिल्म एक्शन जैक्सन से बॉलीवुड में कदम रखा था। अभिनेत्री होने के साथ ही मनस्वी मिस इंडिया भी रह चुकी हैं।

पर्यावरण बचाने के लिए भूमि पेडनेकर ने लॉन्च किया द भूमि फाउंडेशन

अपनी बहुमुखी एक्टिंग, शानदार प्रदर्शन, नेक सामाजिक कार्यों व पर्यावरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए मशहूर बॉलीवुड एक्ट्रेस और क्लाइमेट वॉरियर भूमि पेडनेकर ने सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने आधिकारिक तौर पर द भूमि फाउंडेशन की वेबसाइट लॉन्च की है, जो एक गैर-लाभकारी समर्थक मंच है। यह प्लेटफॉर्म पर्यावरण से जुड़े मुद्दों से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर काम करता है। भूमि पेडनेकर के मन में इस प्लैनेट को लेकर गहरा जुनून बसता है, वह सोशल मीडिया पर क्लाइमेट वॉरियर नाम से एक समर्थक प्लेटफॉर्म भी संचालित करती हैं, जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण की जरूरत के बारे में शिक्षित करना है। भूमि फाउंडेशन का लॉन्च पृथ्वी के प्रति इस अभिनेत्री के गहरे और अटूट समर्पण का प्रमाण है। यह प्लेटफॉर्म व्यक्तियों और एनजीओ के नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी परियोजनाओं की फंडिंग जुटाने, जलवायु से संबंधित पॉडकास्ट और वृत्तचित्रों का निर्माण करने, जलवायु जागरूकता कार्यक्रमों का सहयोग वसमर्थन करने तथा पर्यावरण के प्रति सचेत स्टार्टअप्स में निवेश करने की दिशा में काम करेगा। असली परिवर्तन लाने तथा हमारे देश में प्रदूषण व कार्बन फुटप्रिंट का बुरा असर घटाने के लिए संगठनों और जलवायु संरक्षणकर्ताओं के हाथ मजबूत करना इस मंच का लक्ष्य है। भूमि पेडनेकर ने इस नए प्रयास को लेकर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मुझे द भूमि फाउंडेशन के लॉन्च की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। इस साल, अपने जन्मदिन पर, मैंने इस कॉन्सेप्ट का सफर शुरू किया कि मैं अपने प्लैनेट की मदद कैसे कर सकती हूं, और आज द भूमि फाउंडेशन लॉन्च करते हुए मुझे बड़ा आनंद आ रहा है। मुझे उम्मीद है कि इस फाउंडेशन के माध्यम से क्लाइमेट को लेकर पूरे भारत में जागरूकता पैदा होगी और आशा करती हूं कि ठोस बदलाव लाने के लिए सही व्यक्तियों और समुदायों को सशक्त बनाया जा सकेगा।

सैम बहादुर का टीजर रिलीज, सैम मॉनेकशॉ के किरदार में छाए विक्की

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर अपनी घोषणा के वक्त से ही सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में विक्की फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ का किरदार निभाने वाले हैं। मेकर्स ने अब इस फिल्म का टीजर रिलीज कर दिया हैं। टीजर में विक्की कौशल, सैम मानेकशॉ के किरदार में छा गए हैं। लुक, एक्सप्रेशन, एटीट्यूड से लेकर डायलॉग डिलीवर तक विक्की ने सैम मानेकशॉ के किरदार को काफी अच्छी तरह से पकड़ा है। इस किरदार के लिए विक्की की मेहनत साफ झलक रही है। टीजर में दिखाया गया है कि सैम मानेकशॉ देश के लिए किस हद तक जाने को तैयार थे। टीजर में विक्की कौशल के अलावा सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख भी नज़र आ रही हैं। फातिमा सना शेख फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में हैं। टीजर की शुरुआत में विक्की कहते हैं, एक सोल्जर के लिए उसकी जान से ज्यादा कीमती होती है उसकी इज्जत, उसकी वर्दी, और एक सोल्जर अपनी वर्दी की इज्जत के लिए अपनी जान भी दे सकता है। एक सीन में इंदिरा गांधी, सैम से कहती हैं, सोल्जर्स की ड्यूटी है अपने देश के लिए जान देना। इस पर सैम बहादुर कहते हैं, सोल्जर्स की ड्यूटी है देश के लिए दुश्मन की जान लेना। अपने देश की रक्षा के लिए सैम बहादुर राजनीति में जाने से भी इंकार कर देते हैं। बता दें कि सैम बहादुर में 1970 का वह युद्ध भी दिखाया जाएगा, जिसके बाद बंग्लादेश का जन्म हुआ था। साल 1971 में हुए युद्ध में पाकिस्तान को हराने का श्रेय सैम मानेकशॉ को जाता है। इस फिल्म को इसे मेघना गुलजार ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को रोनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म सैम बहादुर इसी साल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विक्की की पिछली रिलीज फिल्म द ग्रेट इंडियन फैमिली थी।

सार-समाचार

जिला निर्वाचन कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 16 अक्टूबर 2023 को विधानसभा निर्वाचन के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय, न्यू कम्पोजिट बिल्डिंग में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष क्रमांक 07752-222877 है। कंट्रोल रूम में अधिकारी-कर्मचारी चौबीसो घंटे ड्यूटी पर तैनात रहेंगे। कंट्रोल रूम के नोडल अधिकारी संयुक्त कलेक्टर अरूण खलखो है। यह कंट्रोल रूम निर्वाचन की समाप्ति तक संचालित होगा। निर्वाचन की प्रक्रिया के दौरान व्यय अनुवीक्षण में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य संपर्क स्थापित करने, अनुवीक्षण दलों को सूचना देने, निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग संबंधी जानकारियों एवं सूचनाओं का आदान-प्रदान एवं शिकायतों को रजिस्टर करने यह कंट्रोल रूम कार्य करेगा।

एमवे इंडिया, न्यूट्रीलाइट द्वारा पॉवर्ड, आपके लिए लेकर आया है प्लसलाइफ

रायपुर। एक स्वस्थ राष्ट्र को बढ़ावा देने के अपने प्रयासों की दिशा में अनुसंधान और नवप्रवर्तन में अपनी शक्ति को मजबूत करते हुएदेश की अग्रणी एफएमसीजी डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों में से एकएमवे इंडिया ने हाल ही में एक नए मल्टीविटामिन और मल्टीमिनरल हेल्थ सप्लीमेंट सप्लसलाइफ के तहत न्यूट्रीलाइट डेली प्लस को लॉन्च किया। यह क्रांतिकारी फॉर्मूलेशन24 आवश्यक विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर है तथा प्लांट कंसंट्रेट्स की मात्रा इसमें दुगनी है*। न्यूट्रीलाइट डेली प्लस एमवे पोर्टफोलियो का पहला उत्पाद है, जिसमें डुअल लेयर डुअल रिलीज फॉर्मूलेशन का नया आविष्कार समाहित है। आज उन उपभोक्ताओं के बीच समग्र कल्याण की भावना बढ़ रही है, जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी सचेत हैं न्यूट्रीलाइट डेली प्लस में गोटूकोला नामक एक प्रमुख घटक भी शामिल है, जो तनाव को कम करने वाले अपने विशिष्ट गुणों के लिए जाना जाता है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुएएमवे इंडिया के सीएमओश्री अजय खन्ना ने कहा, मिंटेल के एक सर्वेक्षण के अनुसारलगभग 75 प्रतिशत भारतीयों का मानना है कि नियमित रूप से विटामिन्स, मिनरल्स और सप्लीमेंट्स का सेवन करने से उन्हें समग्र स्वास्थ्य तथा कल्याण प्राप्त करने में मदद मिलती है। 74त्न भारतीय रोजमर्रा की व्यस्त जीवनशैली, काम के दबाव और सीमित शारीरिक गतिविधि के कारण तनाव से पीड़ित हैं। इसलिएपोषण की शक्ति के साथतनाव प्रबंधन को लेकर अतिरिक्त मदद एक बड़ा प्लस प्वाइंट है! स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में अग्रणी होने के नातेहम अपने प्रमुख ब्रांड न्यूट्रीलाइट के माध्यम से लोगों को उनके स्वास्थ्य और कल्याण के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए आवश्यकता-आधारित सिफारिशें प्रदान करने का लगातार प्रयास करते रहे हैं, जो दुनिया का नंबर 1 बिकने वाला विटामिन और डाइटरी सप्लीमेंट ब्रांड है, तथा जो प्रकृति और विज्ञान की सर्वोत्तम खूबियों को एक साथ लाता है। न्यूट्रीलाइट डेली प्लस के माध्यम से, जो हमारे न्यूट्रिशन पोर्टफोलियो में नवीनतम प्रोडक्ट है, हमारा उद्देश्य अपने ग्राहकों को सप्लसलाइफ अपनाने के लिए सशक्त बनाना है - एक ऐसा विचार जो समग्र कल्याण के सिद्धांतों पर पनपता है, जहां शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, दोनों की वृद्धि पर जोर दिया जाता हैऔर जहां क्षमताएं सीमाओं से परे हैं।

प्लेटिनम लव बैण्ड्स के नए सीज़न के कलेक्शन के साथ मनाएं 'अपने कमिटमेन्ट के खास पल' का जश्न

रायपुर। सेलिब्रेशन का सीज़न आ चुका है, हम खुशियों के साथ त्योहारों के जश्न को यादगार बनाने के लिए तैयार हैं। बहुत से कपल्स के लिए ये दिन और भी खास होते हैं, जिनकी शादी या सालगिरह इन्हीं दिनों में आती है, या वे लोग जो अपने अनूठे रिश्ते को और भी खास बनाना चाहते हैं। ये वो पल हैं जब कपल्स एक दूसरे के लिए कमिटमेन्ट करते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि उनका प्यार सबसे खास और कीमती है। वे जानते हैं कि उन्हें अपने साथी से अच्छे, बुरे हर पल में उतना ही प्यार मिलने वाला है, वे जानते हैं कि उनके जैसा प्यार कहीं ओर नहीं! प्लेटिनम लव बैण्ड 95 फीसदी शुद्ध और दुर्लभ प्लेटिनम से बनाए जाते हैं, जो प्यार का प्रतीक हैं। ये उस प्यार का अहसास कराते हैं जो आधुनिक मूल्यों के साथ एक दूसरे के सम्मान करने, एक दूसरे की जीत पर खुशी जताने और एक साथ मिलकर ज़िम्मेदारियों को बांटने, पारम्परिक भूमिकाओं एवं लिंग से जुड़ी सभी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए प्रेरित करता है। इसी खास प्यार का जश्न मनाने के लिए प्लेटिनम लव बैण्ड अपना नया कलेक्शन लेकर आए हैं। इस शानदार कलेक्शन को आकर्षक रीपीटिंग पैटर्न, विशेष टेक्सचर, भव्य लाईनों के साथ बड़ी ही खूबसूरती से डिज़ाइन किया गया है। प्लेटिनम लव बैण्ड्स को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि वे एक रिश्ते के खास पलों को परिभाषित करते हैं वे प्यार की अभिव्यक्ति का परफेक्ट माध्यम हैं, ऐसे में ये अपने पार्टनर को देने के लिए बेहतरीन तोहफा है। जब आप अपने जीवन के सबसे खास व्यक्ति के साथ मिलकर भविष्य की यात्रा पर आगे बढ़ते हैं, तब ये पल आपके लिए सबसे खास होते हैं, जो आपके रिश्ते को नया आयाम देते हैं। इसी अटूट रिश्ते के प्यार को जताने के लिए आप नए सीज़न के कलेक्शन से अपना प्लेटिनम लव बैण्ड चुन सकते हैं।

कलेक्टर ने शहर के दो केंद्रों का लिया जायजा, मतदान दलों को कलेक्टर ने दिए महत्वपूर्ण टिप्स

मतदान दलों के प्रशिक्षण का प्रथम चरण शुरू

मतदान केंद्रों में पीठासीन अधिकारी की हैसियत कलेक्टर के समान

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 16 अक्टूबर 2023/विधानसभा चुनाव के लिए गठित मतदान दलों के प्रशिक्षण का प्रथम चरण आज बिलासपुर सहित सभी चारों ब्लॉक मुख्यालयों में एक साथ शुरू हुआ। कलेक्टर अवनीश शरण ने शहर के दो प्रशिक्षण स्थलों मल्टीपर्पस स्कूल दयालबंद एवं लालबहादुर शास्त्री स्कूल का निरीक्षण कर दलों को जरूरी टिप्स दिए। कलेक्टर ने कहा कि निर्वाचन से जुड़ी हर कड़ी महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण में बताए जा रहे हर पहलूओं और बारीकियों को बेहद गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ लें। निर्वाचन कार्य के सुव्यवस्थित संचालन के लिए प्रशिक्षण का विशेष महत्व होता है। मास्टर ट्रेनर द्वारा बताई जा रही सभी बातों को ध्यान से सुनते हुए समुचित रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। प्रशिक्षण में उन्होंने पौन घण्टे तक प्रशिक्षणार्थियों से लिए गए प्रशिक्षण के बारे में जानकारी ली और प्रशिक्षण से संबंधित सवाल भी पूछे। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों के शंकाओं का समाधान भी किया। इसी कड़ी में नगर निगम आयुक्त कुणाल दुदावत ने मस्तूरी एवं सीईओ जिला पंचायत अजय अग्रवाल ने तखतपुर में चल रहे निर्वाचन प्रशिक्षण का जायजा लिया।

कलेक्टर ने कहा कि जिस प्रकार जिला निर्वाचन अधिकारी जिले में निर्वाचन के लिए

प्रमुख होता है उसी प्रकार पीठासीन अधिकारी पोलिंग बूथ में प्रमुख होंगे। आपकी कार्यप्रणाली पर सबकी नजर होती है। चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों को गंभीरता से पढ़े। 5 साल में एक बार चुनाव का यह महत्वपूर्ण कार्य कराने का हमें अवसर मिलता है। इसे जिम्मेदारी और सम्मान के रूप में ले। उन्होंने चुनाव आयोग के मंशानुरूप स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव करवाने पर जोर दिया। कलेक्टर ने मास्टर ट्रेनरों से कहा कि व्हीव्हीपेट, ईव्हीएम, कंट्रोल यूनिट का प्रयोग करके दिखाए। कलेक्टर ने मतदान दल में शामिल अधिकारी और कर्मचारियों से उनके कर्तव्यों एवं दायित्वों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से मशीनों के क्रम सीआरसी, मॉक पोल जैसे प्रश्न पूछे। उल्लेखनीय है कि जिले में 8 हजार 200 से ज्यादा प्रशिक्षणार्थियों को प्रथम चरण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर द्वारा मतदान सामग्री ईव्हीएम, मतदाता सूची, सीलिंग एवं अन्य सामग्री जैसे कि मतदाता रजिस्टर, मतदाता पर्जी, एड्रेस टैग, अमिट स्याही, मॉक पोल आदि के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को मतदान पूर्व की तैयारियां, ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट को सील करना, मतदान प्रारंभ करना, डाकमत पत्र, निर्वाचन कर्तव्य प्रमाण पत्र, निशक्त: मतदाताओं द्वारा मंताकन, अमिट स्याही लगाना, मतदाता के हस्ताक्षर जैसी प्रक्रियाओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनरों ने बताया कि व्हीव्हीपेट, कंट्रोल एवं ईव्हीएम के सभी तार स्पष्ट रूप से दिखने चाहिए इसमें पूरी पारदर्शिता होनी चाहिए। कहीं से भी छुपा होना नहीं चाहिए। प्रशिक्षण में पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी क्रमांक 1, 2, 3 के कर्तव्यों के बारे में भी प्रकाश डाला गया। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त कुणाल दुदावत, सीईओ जिला पंचायत अजय अग्रवाल, बिलासपुर एसडीएम सुभाष राज सहित, मास्टर ट्रेनर शैलेष पाण्डेय, एमटी आलम मौजूद थे।

निर्वाचन में अनुशासन व समय सबसे महत्वपूर्ण- जिला निर्वाचन अधिकारी

विधानसभा निर्वाचन 2023 के सफल संपादन के लिए जिले में सतत चल रहा प्रशिक्षण

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विधानसभा निर्वाचन 2023 के सफ्ल निष्पादन के लिए जिले के विभिन्न स्थल पर सतत प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी के तहत आज जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल द्वारा तीन प्रशिक्षण स्थल जिसमें शासकीय रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय सूरजपुर, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर और शासकीय बालक माध्यमिक शाला सूरजपुर शामिल है, का निरीक्षण किया गया। इन तीनों प्रशिक्षण स्थल में पोलिंग पर्सन ट्रेनिंग का प्रशिक्षण, मतदान की ड्यूटी में लगाए गये कैंडिडेट को दिया जा रहा है। जिसमें मास्टर ट्रेनरों के द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन और निर्देशों के संबंध में उपस्थित जनों को जानकारी मुहैया कराई जा रही है। ताकि प्रशिक्षण प्राप्त कर प्रशिक्षार्थी निर्वाचन का सफ्लतापूर्वक संपन्न कर सकें। प्रशिक्षण में उपस्थित जनों को मत पत्र लेख, मॉक पोल के दौरान कम से कम कितने वोट डालने हैं, ईवीएम मशीनों को जोड़ने का क्रम, मतदान दिवस पर मतदान प्रकोष्ठ में वीवीपीएटी रखने की प्रक्रिया, मॉक पोल की पर्चियां किस रंग के लिफ्फे में रखी जाएंगी, मतदान दिवस पर मॉक पोल कितने समय पूर्व प्रारंभ होता है, मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए दस्तावेजों की सूची, स्पेशल टैग में किस मशीन का नंबर लिखा जाता है, मतदान दिवस पर राजनीतिक दलों के बुथ की दूरी कितनी होनी चाहिए, मतदाता को कौन से हाथ की उंगली में अमिट स्याही लगाई जानी चाहिए, मतदान केंद्र पर मतदाता अभिकर्ताओं के बैठने का क्रम क्या होता है, मतदान प्रक्रिया के दौरान एक अशक्त मतदाता के साथी की किस उंगली पर अमिट स्याही लगाई जाएगी, मतदान समाप्ति पर कंट्रोल यूनिट का कौन सा बटन दबाना है, संग्रहण केंद्र पर मतपत्र लेखा की कितनी प्रति जमा करनी है, डाकमत पत्र हेतु किस प्रारूप में आवेदन किया जाना है इत्यादि के संबंध में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थियों को जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन में अनुशासन व समय की महत्ता के संबंध में बताया। उन्होंने उपस्थित जनों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश व गाइडलाइन का गंभीरता से पालन करने की हिदायत भी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्वाचन में जानबूझकर की गई लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने निर्वाचन की अवधि के दौरान सभी को निष्पक्ष रहने की बात भी कही। उन्होंने सभी उपस्थित जनों से लोकतंत्र के सशक्तिकरण के लिए अपना योगदान देने की अपील भी की।

विधानसभा आम निर्वाचन-2023 : संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत 15 अक्टूबर तक कुल 18204 बैनर, पोस्टर और वॉल राइटिंग हटाए गए

इनमें 12 हजार 511 सार्वजनिक संपत्ति और 5 हजार 693 निजी संपत्ति शामिल

एसएसटी एवं एफएसटी टीम द्वारा लगातार की जा रही कार्यवाही

जांजगीर-चांपा / विधानसभा आम निर्वाचन-2023 के लिए आदर्श आचार संहिता प्रभावी होते ही कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में जिले में संपत्ति विरूपण अधिनियम के तहत सार्वजनिक और निजी संपत्तियों से वॉल राइटिंग, पोस्टर और बैनर हटाने की कार्यवाही की गई। जिले में सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों से 15 अक्टूबर तक कुल 18 हजार 204 प्रचार सामग्रियां हटाई गई हैं। सार्वजनिक संपत्तियों से संबंधित 12 हजार 511 और निजी संपत्तियों से संबंधित 5 हजार 693 प्रकरणों पर कार्यवाही की गई है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में विधानसभा निर्वाचन 2023 के स्वतंत्र, पारदर्शी एवं निष्पक्ष निर्वाचन के लिए प्रतिदिन उड़नदस्ता दलों द्वारा 24 घंटे क्षेत्र की निगरानी की जा रही है। इसी कड़ी में विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान अवैध शराब परिवहन, नगदी राशि एवं अन्य वस्तुओं पर निगरानी के लिए गठित एसएसटी एवं एफएसटी दल द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। उड़न दस्ता टीम के द्वारा चेकिंग के दौरान पामगढ़ के अंबेडकर चौक पर दो अलग अलग वाहनों से झंडा पम्पलेट जब्त किया है। दोनों वाहनों को सामग्री समेत जब्त कर थाना को सुपुर्द किया है। नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पामगढ़ से अकलतरा जा रही गाड़ी में राजनैतिक पार्टी का झंडा लगा हुआ था और गाड़ी के अंदर भी 125 नग झंडा, दूसरे वाहन से राजनैतिक पार्टी के लगभग 500 पाम्पलेट जब्त किया है। इसके साथ ही जिला मुख्यालय जांजगीर के कलेक्ट्रेट चौक में रविवार की शाम को आकस्मिक चेकिंग में करीब 2000 नग कलर पाम्पलेट उड़नदस्ता दल द्वारा जब्त कर थाने के सुपुर्द किया गया। संबंधितों के पास वैध दस्तावेज प्राप्त नहीं के कारण जब्ती की कार्यवाही की गई है। इसके साथ ही शहर के कई स्थानों पर अलग अलग टीम लगातार शहर से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी ले रहे है। गाड़ियों से हूटर, नाम पट्टिका को मौके से ही हटाया जा रहा है।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम (स्वीप) अंतर्गत नवविवाहिता वधुओं का किया गया सम्मान

शत प्रतिशत मतदान के लिए दिलायी गयी शपथ

जांजगीर चांपा/ भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 में महिला मतदाताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वीप योजना अंतर्गत मतदान केन्द्रों में नवविवाहिता वधु सम्मान कार्यक्रम एवं विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिले के विभिन्न मतदान केन्द्रों ग्राम खिसोरा और ग्राम कचंदा में मतदाता जागरूकता के तहत नवविवाहिता वधु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके साथ समस्त दिव्यांगजनों, युवा मतदाता, थर्ड जेंडर के मतदान में सक्रीय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में नवविवाहिता वधु सहित उपस्थित सभी मतदाताओं को लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाये रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, जाति, वर्ग,समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की शपथ दिलाई गई। इसी प्रकार मतदाता जागरूकता अभियान जी आर डी कॉलेज पामगढ़ में स्लोगन व शपथ दिलाकर, पामगढ़ में शासकीय प्राथमिक विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन कर और प्राथमिक विद्यालय गोधना के छात्रों द्वारा रंगोली के माध्यम से, खोरसी में स्कूली छात्राओं द्वारा रैली के माध्यम से, तालदेवरी में ग्रामीणों द्वारा रैली के माध्यम से और ग्राम पंचायत सोनादह में बैनर पोस्टर के साथ रैली का आयोजन कर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया।

मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण हुआ सम्पन्न

नन्दू यादव

सूरजपुर भारत भास्कर विधानसभा निर्वाचन 2023 को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार व प्रशिक्षण नोडल अधिकारी सुश्री लीना कोसम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर के मार्गदर्शन में मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण तीन स्थानों क्रमश: शा. रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय, शा.बालक उ.मा.वि. एवं शा.कन्या उ.मा.वि. सूरजपुर में सम्पन्न हुआ। जिसमें जिले से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा ई.व्ही. एम एवं व्ही. व्ही. पेट का संचालन, मतदान सामग्री प्राप्त करना एवं चेक लिस्ट के अनुसार मिलान मतदान के पूर्व की तैयारियां मतदान दिवस में किये जाने वाले कार्य, मतदान समाप्ति के बाद मशीनों का मुहर बंद किये जाने का विस्तृत जानकारी दी गई। मतदान दलों को बताया गया कि सामग्री वितरण केंद्र से मतदान सामग्री प्राप्त करने के बाद उसका मिलान चेक लिस्ट के अनुसार किया जाना है। ऐसी सामग्री जिसमें नम्बर अंकित हैं जैसे ई. व्ही.एम एवं व्ही. व्ही. पेट, निविदित मतपत्र, मतदाता सूची की चिन्हित प्रति सुभिन्नक सील, ग्रीन पेपर सील, स्पेशल टैग, पिंक पेपर सील, एड्रेस टैग का मिलान अच्छे से करें। यह देखें कि यह आपके मतदान केन्द्र से संबंधित है। कन्ट्रोल यूनिट में दिनांक और समय सही है, बैटरी की स्थिति अच्छी है, केन्डीडेट संख्या सही है, इसकी जांच कर लें सामग्री वितरण केन्द्र पर कंट्रोल यूनिट बैलेट यूनिट और व्ही. व्ही. पेट तीनों जोड़कर मतदान दलों द्वारा मॉकपोल सामग्री वितरण केन्द्र पर नहीं किया जाना है क्योंकि ये मशीने पूर्व से ही जांच कर तैयार की गई है। मतदान केन्द्र पर पहुँचने पर नियमानुसार मतदान केन्द्रों का स्थापना कर लें नोटिस बोर्ड पर आवश्यक जानकारी प्रदर्शित करने, 100 मीटर एवं 200 मीटर की दूरी का चिन्हांकन कर आवश्यक सूचना लगा दें मतदान दिवस के दिन वास्तविक मतदान के 90 मिनट पूर्व मॉकपोल कराया जाना है। मॉकपोल में न्यूनतम 50 वोट डलवाने हैं

तत्पश्चात् सी.आर.सी. कर मॉक पोल के डाटा को हटा देना है। व्ही. व्ही. पेट के ड्रॉप बॉक्स से पेपर स्लीप को निकालकर काले रंग के लिफाफे में पिंक पेपर सील से सील बंद करना है। पीठासीन अधिकारी द्वारा मॉकपोल प्रमाण पत्र तैयार मतदान अभिकर्ताओं से हस्ताक्षर लिया जायेगा। इसके बाद मत की गोपनीयता बनाने हेतु मतदान मशीनों में गोपनीय सील- ग्रीन पेपर सील, स्पेशल टैग एड्रेस टैग लगाकर कन्ट्रोल यूनिट के रिजल्ट सेक्शन को सील्ड किया जायेगा। मतदान नियत समय पर प्रारम्भ होने की घोषणा पीठासीन अधिकारी द्वारा किया जायेगा। मतदान अधिकारी क्रमांक मतदाता सूची का चिन्हित प्रति का प्रभारी होगा। वह मतदाता की पहचान को सुनिश्चित करेगा। मतदाता की पहचान वोटर कार्ड या आयोग द्वारा निर्धारित 12 दस्तावेज के आधार पर होगी। पहचान सत्यापित होने के बाद मतदान अधिकारी क्र. 2 मतदाता के बायें हाथ के तर्जनी पर अमिट स्याही लगायेगा। वह मतदाता रजिस्टर प्रारूप 17 क में आवश्यक प्रविष्टियां करने के बाद मतदाता पर्ची जारी करेगा। मतदान अधिकारी क्र. 3 कंट्रोल यूनिट का प्रभारी होगा। वह मतदाता से मतदाता पर्ची प्राप्त कर उसे संग्रहित कर बैलेट जारी करेगा। मतदाता वोटिंग कम्पार्टमेंट में जाकर बैलेट यूनिट के नीले रंग का बटन दबाकर वोट देगा। व्ही. व्ही पेट के पारदर्शी खिड़की से पेपर स्लीप जनरेट होगी। जिसमें अभ्यर्थी का नाम एवं निर्वाचन प्रतीक मुद्रित रहेगा। यह पर्ची 7 सेकंड तक दिखाई देगी और ऑटोकट व्यवस्था द्वारा कट कर ड्रॉप बाक्स में इकट्ठा हो जायेगी। इस प्रकार मतदान की प्रक्रिया चलती जायेगी। मतदान दलों को मतदान के दौरान विशेष परिस्थिति, निर्वाचकों द्वारा मत नहीं देने का निश्चय नियम 49 ओ. 49 एम. टेस्ट वोट 49 एम.ए. ए.एस.डी. मतदाता द्वारा मतदान, अभ्याक्षेपित मत निविदत्त मत, अंधे या शिथिलांग मतदाताओं द्वारा मतदान, डाक मतपत्र, निर्वाचन कर्त्तव्य प्रमाण पत्र के बारे में बताया गया। मतदान समाप्ति उपरांत कन्ट्रोल यूनिट का क्लोज बटन को अनिवार्य रूप से दबाया जाना है। इसके बाद मतदान मशीन को नियमानुसार सील बंद करने की कार्यवाही के बारे में बताया गया रिकार्ड किये गये मतों का लेखा पीठासीन अधिकारी की डायरी, सांविधिक लिफाफा,असांविधिक लिफाफा अन्य लिफाफे को तैयार करने के संबंध में बताया गया।

मतदान दलों के इस प्रशिक्षण का निरीक्षण जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजय अग्रवाल द्वारा किया गया। उनके द्वारा मॉक पोल प्रक्रिया, मतदान मशीनों की सिलिंग, मतदाता के पहचान के दस्तावेज, मतदाता रजिस्टर, मतपत्र लेखा, मतदान समाप्ति उपरांत क्लोज बटन दबाया जाने के संबंध में आयोग के दिशा निर्देश के बारे में आवश्यक मार्गदर्शन मतदान दलों को दिया गया। उन्होंने मतदान दलों को पीठासीन अधिकारी की पुस्तिका का गहराई से अध्ययन करने के निर्देश दिये गये मतदान दलों को यह भी निर्देशित किया गया कि मतपत्र लेखा को सावधानीपूर्वक तैयार करें। उसमें अंकित मतों की संख्या और कन्ट्रोल यूनिट में दर्शित मतों की संख्या में किसी भी प्रकार की विसंगति नहीं होना चाहिए। इस प्रशिक्षण का निरीक्षण उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका वर्मा, रिटर्निंग ऑफिसर 04 प्रेमनगर श्री रवि सिंह, रिटर्निंग ऑफिसर 05 भटगांव श्री सागर सिंह राज रिटर्निंग ऑफिसर 06 प्रतापपुर श्रीमती दीपिका नेताम एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती शिवानी जायसवाल द्वारा किया गया।

क्षेत्रीय पार्टियां क्या खत्म हो सकती हैं?

अजीत द्विवेदी

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्षेत्रीय पार्टियों का क्या भविष्य होगा? क्या वे खत्म हो जाएंगी या अब ऐसा समय आ गया है कि और ज्यादा मजबूत होंगी? जेपी नड्डा पांच अक्टूबर को पटना गए थे, जहां उन्होंने कैलाशपति मिश्र की सौवीं जयंती के कार्यक्रम में कहा कि क्षेत्रीय पार्टियां परिवारवाद और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती हैं इसलिए ये खत्म हो जाएंगी। इससे ठीक 14 महीने पहले 31 जुलाई 2022 को भी पटना में ही जेपी नड्डा ने यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि भाजपा अपनी विचारधारा पर चलती रही तो क्षेत्रीय पार्टियां देश से खत्म हो जाएंगी। उनके इस बयान के एक हफ्ते के बाद ही नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यू ने भाजपा से नाता तोड़ लिया था और नीतीश कुमार राजद व कांग्रेस की मदद से मुख्यमंत्री बन गए थे। एक साल बाद जब नड्डा ने फिर यह बयान दिया है तो इस पर बिहार में बहस छिड़ गई है। इस बार उनके बयान का भाजपा की सहयोगी क्षेत्रीय पार्टियां विरोध नहीं कर रही हैं, बल्कि अपनी अलग व्याख्या करके किसी तरह अपने को बचाने की कोशिश कर रही हैं।

तभी यह सवाल है कि क्या भारत में क्षेत्रीय पार्टियां खत्म हो सकती हैं या देश में ऐसी स्थितियां बन रही हैं, जिनमें क्षेत्रीय पार्टियां और मजबूत हो सकती हैं? ध्यान रहे भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस दोनों की यह मंशा रही है कि देश में दो ही पार्टियां हों। जब कांग्रेस अपनी सत्ता और ताकत के चरम पर थी तब वह भी ऐसा सोचती थी कि क्षेत्रीय पार्टियां खत्म हो जाएंगी। उसने बहुत प्रयास भी किए और अपने कई सहयोगी पार्टियों को खत्म करने की सक्रिय कोशिश की। हालांकि कामयाबी नहीं मिली। उस समय भाजपा सहयोगी क्षेत्रीय पार्टियों के दम पर फल-फूल रही थी तो वह चुप रहती थी। अब कांग्रेस कमजोर है और भाजपा अपनी ताकत के चरम पर है तो उसके नेता गाहे-बगाहे इस तरह की मंशा जाहिर करते रहते हैं कि क्षेत्रीय पार्टियां देश से खत्म हो जाएं। लेकिन नड्डा के बयान और भाजपा की

वास्तविक राजनीति में बड़ा विरोधाभास है। एक तरफ भाजपा ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बरक्स अपने गठबंधन एनडीए का विस्तार करना शुरू किया है तो दूसरी ओर नड्डा क्षेत्रीय पार्टियों के खत्म होने की बात कर रहे हैं। ध्यान रहे जुलाई में जिस दिन बेंगलुरू में विपक्षी गठबंधन की बैठक थी, जिसमें 27 पार्टियां शामिल हुई थीं उसी दिन दिल्ली में भाजपा ने एनडीए की बैठक की थी, जिसमें 38 पार्टियां शामिल हुई थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद आगे बढ़ कर हर छोटे-बड़े नेता का स्वागत किया था। इसमें ऐसी पार्टियों के नेता भी शामिल हुए थे, जिनका न तो कोई विधायक है और न कोई सांसद। दिलचस्प बात यह है कि ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियां, जो एनडीए से जुड़ी हैं वे परिवार की पार्टियां हैं। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा, अपना दल (सोनेलाल), एनसीपी का अजित पवार गुट, जननायक जनता पार्टी आदि के नेता भाजपा की बुलाई बैठक में शामिल हुए थे। ये ऐसी पार्टियां हैं, जो संस्थापक नेताओं के बेटे, बेटियों, भाइयों, भतीजों आदि द्वारा संचालित हैं। यह भी दिलचस्प है कि कई पार्टियों के नेता भ्रष्टाचार के बड़े आरोपों से घिरे हैं। यानी परिवारवादी भी हैं और भ्रष्टाचार में आरोपी भी हैं फिर भी भाजपा को उन्हें गठबंधन में रखने और उनके साथ चुनाव लड़ने में दिक्कत नहीं है।

अब सवाल है कि जब भाजपा इस तरह से परिवारवादी और भ्रष्टाचार की आरोपी क्षेत्रीय पार्टियों को साथ रख कर आगे बढ़ाएगी तो वह इन्हें खत्म करने का अभियान कैसे पूरा कर पाएगी? यहां तो नीयत में ही एकरूपता नहीं दिख रही है। एक तरफ खत्म करने की बात हो रही है और जेपी नड्डा कह रहे हैं कि भाजपा अब किसी पार्टी को कंधे पर नहीं बैठाएगी और दूसरी ओर क्षेत्रीय पार्टियों को कंधे पर उठा कर उनको ऊंचा बनाया जा रहा है! बिहार में नीतीश के गठबंधन छोड़ कर जाने के बाद नड्डा ने यह स्टैंड लिया है कि पार्टी अब किसी को कंधे पर नहीं बैठाएगी और उधर महाराष्ट्र में शिव सेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे को कंधे पर उठा कर मुख्यमंत्री बनाया है। इतना ही नहीं जिस पार्टी पर भाजपा ने 70 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया है उसी के नेता अजित पवार को उनकी पसंद का मंत्रालय देकर उप मुख्यमंत्री बनाया है। कर्नाटक में खत्म हो रही जेडीएस को अपने साथ जोड़ कर भाजपा ने ऑक्सीजन दिया है ताकि वह जिंदा हो सके। यही काम वह आजसू के साथ झारखंड में करने जा रही है। यही काम वह बिहार की चार क्षेत्रीय पार्टियों के साथ करेगी। उत्तर प्रदेश में अनुप्रिया पटेल की पार्टी के साथ किया है, झारखंड में आजसू, हरियाणा में जजपा आदि पार्टियों को भाजपा ने ही ऑक्सीजन दिया है। बड़ा गठबंधन बनाने की होड़ में कांग्रेस और कुछ अन्य क्षेत्रीय पार्टियों ने मिल कर 'इंडिया' का गठन किया है, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा पार्टियां जुड़ी हैं। हर पार्टी के मजबूत होने की स्थितियां गठबंधन की वजह से बन रही है। एनसीपी, शिव सेना, तृणमूल कांग्रेस, राजद, जेएमएम, डीएमके, समाजवादी पार्टी आदि पहले से बड़ी पार्टियां हैं और गठबंधन की वजह से ये पार्टियां और मजबूत होंगी। यानी कांग्रेस और भाजपा दोनों मिल कर क्षेत्रीय पार्टियों को ताकत दे रहे हैं। ऐसे में उनके खत्म होने की बात करना एक राजनीतिक बयानबाजी से ज्यादा कुछ नहीं है।

इस बीच एक और घटनाक्रम यह हुआ है कि बिहार ने जाति गणना करा कर जातियों के आंकड़े जारी कर दिए हैं। अब कांग्रेस पूरे देश में जाति गणना का वादा कर रही है। जहां भी कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों की सरकार है वहां जाति गणना होगी और सभी जातियों के आंकड़े सार्वजनिक होंगे। इससे जाति आधारित पार्टियों के लिए मौका बन रहा है। जैसे बिहार की जाति गणना से कई प्रादेशिक पार्टियों की ताकत बढ़ी है। मल्लाह नेता मुकेश सहनी अपनी जाति की 10 फीसदी आबादी का दम भर रहे हैं तो जीतन राम मांझी पांच फीसदी, चिराग पासवान पांच फीसदी और उपेंद्र कुशवाहा चार फीसदी आबादी का नेता होने का दावा कर रहे हैं। ध्यान रहे जैसे जैसे जातियों की संख्या पता चलेगी वैसे वैसे जातीय अस्मिता मजबूत होगी और सामाजिक पहचान मजबूत होने के बाद उसको राजनीतिक पूंजी में बदलने का प्रयास तेज होगा। तब जाति विमर्श और बढ़ेगा। देश में जाति आधारित पार्टियां बनेंगी और उनका विस्तार भी होगा। तमिलनाडु में कुछ साल पहले यह प्रक्रिया चली थी और अब उत्तर प्रदेश, बिहार सहित हिंदी पट्टी के राज्यों में चलेगी। इससे क्षेत्रीय पार्टियां कमजोर होने की बजाय मजबूत होंगी।

संपादकीय

जिनके लगे हैं बड़े दांव

निर्वाचन आयोग ने महीने भर से भी ज्यादा चलने वाले चुनाव कार्यक्रम का एलान कर दिया है। इस दौरान पार्टियों की संसाधन जुटाने की क्षमता और उनकी आंतरिक शक्ति की भी परीक्षा होगी। कांग्रेस के लिए चुनौतियां ज्यादा हैं। पांच राज्यों की विधानसभाओं के लिए नवंबर में होने वाले चुनाव में सबसे कड़े इम्तिहान से कांग्रेस को गुजरना होगा। यह अकेली पार्टी है, जिसका चार राज्यों में बड़ा दांव लगा होगा। वैसे तो बड़ा दांव भाजपा का भी है, लेकिन तेलंगाना में अगर वह बहुत बेहतर नतीजे नहीं लाती है, तब भी इसे उसकी राष्ट्रीय आम चुनाव की संभावनाओं से जोड़ कर नहीं देखा जाएगा। जबकि कांग्रेस की परीक्षा राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के साथ-साथ तेलंगाना में भी है, जहां उसका मुख्य मुकाबला भारत राष्ट्र कांग्रेस (बीआरएस) से होने की संभावना है। बाकी तीन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने होंगी। मिजोरम में ये दोनों पार्टियां अपने गठबंधन सहयोगियों के भरोसे मैदान में उतरेंगी। अगर पिछले विधानसभा चुनाव को आधार मानें, तो तेलंगाना में बीआरएस की बढ़त लगभग 20 प्रतिशत वोटों की है। आम तौर पर पांच साल के अंतर पर इतनी बड़ी खाई को पार कर पाना संभव नहीं होता है। ऐसे में कांग्रेस के लिए बेहतर उम्मीद यही होगी कि वह अपने लगभग 28 प्रतिशत के वोट आधार और पिछली बार मिली सीटों में बड़ा सुधार करके दिखाए। उधर छत्तीसगढ़ में भाजपा के सामने चुनौती दस प्रतिशत वोटों के अंतर को पाटने की है। सामान्य स्थितियों में ऐसा करना भी आसान नहीं होता। राजस्थान और मध्य प्रदेश दोनों राज्यों में 2018 में भाजपा और कांग्रेस के वोट प्रतिशत लगभग बराबर थे। इसलिए वहां दिलचस्प मुकाबला होने की संभावना जताई जा सकती है। राजस्थान में कांग्रेस, तो मध्य प्रदेश में भाजपा के सामने एंटी-इन्कम्बेंसी को काबू में रखने की चुनौती होगी। निर्वाचन आयोग ने महीने भर से भी ज्यादा चलने वाले चुनाव कार्यक्रम का एलान कर दिया है। इस दौरान पार्टियों की संसाधन जुटाने की क्षमता और उनकी आंतरिक शक्ति की भी परीक्षा होगी। संसाधनों के मामले में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है। इस लिहाज से कांग्रेस के सामने कहीं अधिक मुश्किलें पेश आएंगी। अब नजर इस पर होगी कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हो रहे इन मुकाबलों में बड़ी चुनौतियों के मद्देनजर दोनों पार्टियां कैसा दमखम दिखाती हैं। यह निर्विवाद है कि तीन दिसंबर को आने वाले नतीजों का बड़ा मनोवैज्ञानिक प्रभाव होगा।

इजराइल व हमास में लंबी लड़ाई तय?

श्रुति व्यास

इस बार हमास के तेवर बहुत तीखे हैं। वह दम लेने को तैयार नहीं है। पिछले हफ्ते इजराइल पर नृशंस हमले के बाद से ही हमास ने अपने अगले कदम की योजना बनानी शुरू कर दी थी।10 अक्टूबर की दोपहर को उसने एश्क्लोंन के नागरिकों को चेतावनी दी कि वे पांच बजे तक अपने घर छोड़ दें। डेडलाइन के बाद हमास ने वहां और दक्षिणी इजराइल के ज्यादातर इलाकों पर एक बड़ा राकेट हमला किया। यह हमला करीब 10 मिनट तक चला। उसने यह धमकी भी दी है कि अगर गाजा के नागरिकों पर इजराइल के हमले जारी रहे तो वह बंधकों की हत्या करना शुरु कर देगा। जाहिर है कि हमास को लग रहा है कि परिस्थितयां उसके अनुकूल हैं।

इजरायली सुरक्षा बल (आईडीएफ) के अनुसार हमास द्वारा 7 और 8 अक्टूबर को इजराइल की ओर 3,200 से अधिक राकेट दागे गए। यह संख्या हमास के गाजा पट्टी पर नियंत्रण कायम होने से (सन् 2014 और 2021 को छोड़कर) किसी भी साल में दागे गए राकेटों की संख्या से ज्यादा हैं। सात अक्टूबर को हमले की शुरूआत में छोड़े गए राकेटों की संख्या सन् 2014 और 2021 के टकराव के शुरूआती दौर में छोड़े गए राकेटों की संख्या से कहीं अधिक थी।

जाहिर है यह आतंकवादी संगठन निश्चित ही अब पहले की तुलना में बेहतर हथियारों से लैस है। उसे ईरान का समर्थन हासिल है और वह निर्दयी और बेखौफ हो गया है। इजराइल के बारे में चर्चा करते हुए हमास के एक अधिकारी ने कहा, ''या तो हम धीमी मौत की तरफ बढ़ें या हम कब्जे को ख़त्म करने की कोशिश करते हुए मारे जाएं। इजराइल की जवाबी कार्यवाही भी उतनी ही क्रूर है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्ध की घोषणा कर दी है और आपरेशन 'आयरन स्वार्ड' प्रारंभ कर दिया है। इजरायली रक्षा मंत्री ने गाजा पर पूरी तरह कब्जा करने का आव्हान किया है। आईडीएफ ने गाज़ा पट्टी पर अभूतपूर्व हवाई हमले किए हैं और तीन लाख रिजर्व सुरक्षा बलों को ड्यूटी पर बुला लिया गया है।

हमास ने सन् 2007 में गाजा और वहां के निवासियों पर अपना असर बनाया था। उसके बाद से वह इजराइल से चार दफा लड़ाई लड़ चुका है। कई छोटी मुठभेड़ें भी हुईं हैं। इनके नतीजे में हजारों लोग, जिनमें से अधिकतर फिलिस्तीनी थे, अपनी जान गँवा चुके हैं। लेकिन सन् 2021 में दो हफ्ते तक चले युद्ध के बाद हमास का प्रयास रहा है कि टकराव न बढ़े और उसने अन्य फिलिस्तीनी उग्रपंथियां को इजराइल पर राकेट हमले बंद करने के लिए भी कहा। कई इजराइलियों का मानना था कि यह इस्लामिक संगठन एक और बार खून-खराबा करने, जिससे कुछ भी हासिल नहीं होगा, की बजाय युद्धविराम कायम रखना चाहता है ताकि गरीब एवं बहुत अधिक जनसंख्या घनत्व वाली इस पट्टी के पुनर्निर्माण पर ध्यान केन्द्रित किया जा सके।

दूसरी ओर इजराइल की सरकार को लग रहा था कि जब तक शांति कायम रहती है तब तक हजारों फिलिस्तीनी मजदूरों को इजराइल में काम करने की अनुमति देने से शांति बनाए रखना हमास के लिए और भी फायदेमंद बन जाएगा। ऐसी आशा थी कि हमास को लम्बी अवधि के युद्धविराम का हिस्सा बनाया जा सकेगा। लेकिन 7 अक्टूबर के बर्बर हमलों से यह भ्रम टूट गया। इजराइल की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के पूर्व मुखिया याकोव अमीदोर ने कहा कि ''आतंकवादी संगठन हमेशा आतंकवादी संगठन ही बना रहता है।

लेकिन इजराइल भी गाजा और उसके निवासियों को बेरहमी से कुचलता रहा है, विशेषकर सन् 2007 में गाजा पर हमास का कब्जा होने के बाद से। इजराइल और मिस्त्र दोनों ने इस इलाके की घेराबंदी कर रखी है जिससे व्यापार बाधित हुआ है, अर्थव्यवस्था तबाह हुई है और लोग एक इलाके में कैद रहने के लिए मजबूर हुए हैं।इसके अलावा बाहरी दुनिया से उनका संपर्क टूट गया है। अब्राहम समझौते, जिनके जरिए इजराइल और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित कई अरब देशों के इजराइल से कूटनीतिक संबंध स्थापित हुए थे, से गाजा के लोगों की यह धारणा और गहरी हुई कि अकेले वे ही तकलीफ भुगतने को मजबूर हैं। हमले की घोषणा करते हुए हमास की सैन्य शाखा के कमांडर मोहम्मद डेफ ने विज्ञप्ति में कहा, ''हमने इन हालातों को हमेशा के लिए ख़त्म करने का फैसला कर लिया है ताकि दुश्मन को यह एहसास हो सके कि अब वह अपनी करनी का खामियाजा भुगते बिना मौज की जिंदगी नहीं जी सकता।

भूटान से भी झटका?

भूटान के प्रधानमंत्री ने बताया है कि चीन के साथ भूटान की सीमा वार्ता अपने आखिरी दौर में है, जिसके बाद दोनों देशों के बीच सीमांकन संभव हो जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत चीन के साथ भूटान कुछ इलाकों की अदला-बदली भी कर सकता है।

भूटान भारत को एक तगड़ा झटका देने की तैयारी में है। वहां के प्रधानमंत्री लोताय त्सेरिंग ने भारत के एक अंग्रेजी अखबार में एक ऐसी जानकारी दी, जिससे भारतीय विदेश नीति प्रतिष्ठान की नींद उड़ जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने जो ऐसी टिप्पणियां भी की हैं, जो भारत के नजरिए से चिंताजनक हैं। त्सेरिंग ने बताया कि चीन के साथ भूटान की सीमा वार्ता अपने आखिरी दौर में है, जिसके बाद दोनों देशों के बीच सीमांकन हो जाएगा। इस प्रक्रिया के तहत चीन के साथ भूटान कुछ इलाकों की अदला-बदली भी कर सकता है। उनकी बातों से संकेत मिला कि भूटान दोकलाम के पास उस क्षेत्र को चीन को देने पर राजी हो जा सकता है, जो भारत-भूटान-चीन के ट्राइ-जंक्शन पर है। त्सेरिंग से जब चीन से चल रही वार्ता के बारे में भारत को भरोसे में लेने संबंधी सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि उनका देश किसी समस्या का हल इस तरह निकालना चाहता, जिससे एक दूसरा मसला खड़ा हो जाए। लेकिन इसी संदर्भ में उन्होंने कहा कि दोनों बड़े पड़ोसी देशों के साथ भूटान के ऐसे रिश्ते हैं, जो समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं।

भारत-भूटान संबंध की पृष्ठभूमि से परिचित किसी व्यक्ति के लिए यह टिप्पणी इसलिए चिंता का विषय होगी, क्योंकि इसके जरिए त्सेरिंग ने भारत और चीन दोनों के साथ भूटान रिश्ते को समान धरातल पर बता दिया। जबकि पारंपरिक रूप से भूटान खुद को भारत के प्रभाव क्षेत्र में मानता रहा है। उनकी अगली टिप्पणी भूटान के वर्तमान दृष्टिकोण और भी ज्यादा स्पष्ट करने वाली रही। उनसे पूछा गया कि क्या भूटान अपनी विदेश नीति में परिवर्तन ला रहा है, तो उन्होंने कहा कि हर देश को गतिशील विदेश नीति अपनानी चाहिए, जिसे वह अपने हितों के मुताबिक एडजस्ट करता रहे। जाहिर है, अब भूटान चीन के साथ अपने संबंध को अपने हितों के मुताबिक उस समय समायोजित कर रहा है, जब भारत और चीन के बीच भू-राजनीतिक होड़ तेज होती जा रही है। और ऐसा उस समय हो रहा है, जब भारत नरेंद्र मोदी सरकार की 'मर्दाना' विदेश नीति पर चल रहा है।

वोट बटोरने का शॉर्टकट 'रेवड़ी की राजनीति'

डॉ. सत्यवान सौरभ

मुफ्तखोरी की संस्कृति इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है कि कुछ राजनीतिक दलों का अधिकांश चुनावी एजेंडा, एक सोची-समझी रणनीति के तहत केवल मुफ्त की पेशकशों पर आधारित है, जो मतदाताओं को स्पष्ट रूप से एक संदेश भेज रहा है कि यदि राजनीतिक दल जीतता है तो उन्हें ढेर सारी मुफ्त चीजें मिलेंगी। इससे कई सवाल खड़े होते हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि क्या मतदाताओं के दिमाग में हेरफेर करने और सत्ता में आने के लिए मुफ्त उपहार देने की ऐसी रणनीति लोकतंत्र में नैतिक, कानूनी और स्वीकार्य है? राजनीतिक दलों को सूचित करना चाहिए कि क्या मुफ्त के लिए धन सरकारी खजाने से आएगा और यदि ऐसा है तो यह केवल एक जेब से पैसा लेना और मतदाता की दूसरी जेब में डालना है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बड़े पैमाने पर, अनियंत्रित मुफ्तखोरी संस्कृति हमारे जैसे लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की छत को हिला देती है।

राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त बिजली, मुफ्त सार्वजनिक परिवहन, मुफ्त पानी और लंबित बिलों और ऋणों की माफी जैसे वादों की एक श्रृंखला को अक्सर मुफ्त उपहार माना जाता है। 卐मुफ़्त उपहार卐 का वितरण भारत में चुनाव प्रचार का एक अभिन्न अंग बन गया है। मुफ्तखोरी की संस्कृति इतने खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है कि कुछ राजनीतिक दलों का अधिकांश चुनावी एजेंडा, एक सोची-समझी रणनीति के तहत, केवल मुफ्त की पेशकशों पर आधारित है, जो मतदाताओं को स्पष्ट रूप से एक संदेश भेज रहा है कि यदि राजनीतिक दल जीतता है तो उन्हें ढेर सारी मुफ्त चीजें मिलेंगी। यह चुनाव अभियानों से अप्रभेद्य है जहां राजनेता दीर्घकालिक विकास लक्ष्य रोजगार गारंटी, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए राज्य समर्थन, और अन्य कल्याणकारी योजनाएं निर्धारित करने के बजाय मतदाताओं को लुभाने के शॉर्टकट के रूप में मुफ्त पानी, बिजली, राशन, भोजन, टीवी, लैपटॉप, टैबलेट, साइकिल, स्कूटर, गैस सिलेंडर और सार्वजनिक परिवहन के वादे करते हैं।

इससे कई सवाल खड़े होते हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि क्या मतदाताओं के दिमाग में हेरफेर करने और सत्ता में आने के लिए मुफ्त उपहार देने की ऐसी रणनीति लोकतंत्र में नैतिक, कानूनी और स्वीकार्य है? सब्सिडी और मुफ़्त चीज़ें राजकोषीय घाटा बढ़ाती हैं और सरकारी राजस्व पर दबाव डालती हैं, जिससे घाटा और भी बढ़ जाता है। मुफ्तखोरी मतदाताओं की निर्णय लेने की शक्ति को बुरी तरह प्रभावित करती है। ऋण माफी को मुफ़्त उपहार के रूप में देने से अनपेक्षित परिणाम हो सकते हैं, जैसे कि संपूर्ण ऋण संस्कृति को बर्बाद करना और मूल प्रश्न को अस्पष्ट करना कि कृषक समुदाय का एक बड़ा हिस्सा लगातार ऋण जाल में क्यों फंसता जा रहा है। श्रीलंका में आर्थिक उथल-पुथल मुफ्तखोरी की राजनीति के दुष्परिणामों का एक उदाहरण है।

इसमें मजबूत वित्तीय स्वास्थ्य में बाधा डालने की क्षमता है। यह राज्यों को कल्याणकारी योजनाओं से संसाधनों को राजनीति से प्रेरित एजेंडे की ओर मोड़ने के लिए मजबूर करता है। अतार्किक मुफ्तखोरी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के खिलाफ है और लोकतंत्र में बाधा उत्पन्न करेगी। मुफ्तखोरी की संस्कृति स्वत: ही प्राकृतिक संसाधनों के प्रति गैर-जिम्मेदारी और संसाधनों के अति प्रयोग को बढ़ावा देगी और इससे पर्यावरण को अधिक नुकसान होगा। जैसे मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी आदि। एक परिपक्व लोकतंत्र में, एक राजनीतिक दल केवल अच्छे और भ्रष्टाचार मुक्त शासन का ऋणी होता है, जबकि अच्छा शासन देना कठिन होता है, मुफ्त के वादों को पूरा करना सरल होता है। भारतीय मतदाता तर्कसंगत आर्थिक प्रबंधन के बजाय मुफ्तखोरी की राजनीति की ओर आकर्षित हैं, जो पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और दिल्ली में बार-बार साबित हुआ है। ?55,000 करोड़ की मुफ़्त चीज़ें पंजाब को दिवालियापन की ओर ले जा रही हैं, जो पहले से ही सबसे अधिक कर्ज़दार राज्य है, और कर्नाटक में ?62,000 करोड़ (जीएसडीपी का 3 प्रतिशत) की चुनावी गारंटी को भी इसी तरह की स्थिति मिलेगी।

मुफ़्त उपहार पॉलिटिक्स पर वित्त आयोग (एफ्सी) की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। यह राज्यों को संघीय संसाधनों के हस्तांतरण के लिए एकमात्र संवैधानिक निकाय है। ऐसी मुफ़्तखोरी की राजनीति से निपटने के लिए उसके पास शायद ही अधिकार, वैधता या क्षमता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुफ़्त वस्तुओं का वितरण स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के खिलाफहै और चुनावी प्रक्रिया का उल्लंघन करता है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग (ईसी) को मुफ्त वस्तुओं के संदर्भ में उचित दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश दिया। हालाँकि, चुनाव आयोग ने केवल एक अस्पष्ट दिशानिर्देश प्रदान किया, जिसमें पार्टियों को वादा किए गए मुफ्त उपहारों के वित्तपोषण की योजनाओं को बताने की आवश्यकता थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर विचार करने के लिए सभी हितधारकों को शामिल करते हुए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने का आह्वान किया, लेकिन अभी तक कुछ भी सामने नहीं आया है।

राजनीतिक दलों को मुफ्त उपहारों का वादा करने से रोकना मुश्किल होगा, लेकिन जन प्रतिनिधित्व अधिनियम (आरपीए) में संशोधन के माध्यम से सिद्धांतों का खुलासा करना अनिवार्य करके इसे कुछ हद तक हल किया जा सकता है। इसे राजनीतिक दलों के बीच सर्वसम्मति के माध्यम से केवल विधायिकाओं द्वारा ही प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सकता है। भारत में मुफ्तखोरी की राजनीति की प्रवृत्ति राजकोषीय जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में चिंता पैदा करती है। इस चिंता को संबोधित करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है। दुर्लभ निधि को मुफ़्त चीज़ों पर खर्च करने के बजाय रोज़गार सृजन में निवेश करना महत्वपूर्ण है। यह वह प्रश्न है जिसका उत्तर अंतत: मतदाता ही दे सकते हैं। मुफ़्त चीज़ों के मुद्दे के समाधान के लिए लोकतांत्रिक जवाबदेही पर भरोसा करना महत्वपूर्ण है।

राजनीतिक दलों को राजनीतिक वादे करने से पूरी तरह रोका नहीं जा सकता। हालाँकि, ऐसे वादे, भले ही उनमें कुछ मुफ्त चीज़ें शामिल हों, मुख्य रूप से तर्कसंगत और संवैधानिक कल्याण उद्देश्यों के अनुरूप होने चाहिए। इसके अलावा, राजनीतिक दलों को मुफ्त उपहारों के राजनीतिक वादों को पूरा करने के लिए धन के स्रोत की घोषणा करनी चाहिए। राजनीतिक दलों को सूचित करना चाहिए कि क्या मुफ्त के लिए धन सरकारी खजाने से आएगा, और यदि ऐसा है तो यह केवल एक जेब से पैसा लेना और मतदाता की दूसरी जेब में डालना है, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बड़े पैमाने पर, अनियंत्रित मुफ्तखोरी संस्कृति हमारे जैसे लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों की छत को हिला देती है। मुफ़्तखोरी की संस्कृति को नियंत्रित करने वाले नियम बनाने की तत्काल आवश्यकता है, इससे पहले कि यह और अधिक विस्फोट करे और अधिक खतरनाक आर्थिक और राजनीतिक उथल-पुथल का मार्ग प्रशस्त करे। अन्यथा, मुफ़्त उपहार सबसे महंगा साबित हो सकता है!

वामपंथी पार्टियों की राजनीति क्या है?

देश की चार वामपंथी पार्टियों ने साझा मीटिंग करके लखनऊ में एक सभा की है। सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई एमएल और फॉरवर्ड ब्लॉक के नेता मिले और उन्होंने अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की। उसके बाद एक सभा भी हुई, जिसमें सभी नेताओं ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के साथ मिल कर लड़ने और भाजपा को हराने का संकल्प किया। लेकिन इन चारों पार्टियों की राजनीति किसी को समझ में नहीं आ रही है। असल में कम्युनिस्ट पार्टियों का असर बहुत सीमित क्षेत्र में रह गया है। अभी तक इन पार्टियों की जो रणनीति है उसके मुताबिक, जहां इनका असर है वहां इनको तालमेल करके नहीं लड़ना है। वहां ये पार्टियां 'इंडिया' के साथ नहीं रहेंगी और जहां असर नहीं है वहां विपक्षी गठबंधन में शामिल होकर लड़ने के लिए सीटें चाहिए! कम्युनिस्ट पार्टियों ने साफ कर दिया है कि वे केरल में गठबंधन नहीं करेंगी क्योंकि वहां पिछले सात साल से उनकी सरकार चल रही है और उनका मजबूत असर है। वहां कांग्रेस से सीधा मुकाबला लेफ्ट का है। इसी तरह त्रिपुरा में भी सीपीएम मुख्य विपक्षी पार्टी है और वहां भी उसे तालमेल नहीं करना है। वहां की दो सीटों पर वह अकेले लड़ना चाहती है। कांग्रेस से तालमेल की बात वह कर भी सकती है लेकिन तृणमूल के साथ तालमेल नहीं करना है। पश्चिम बंगाल में, जहां लेफ्ट ने साढ़े तीन दशक तक लगातार राज किया था वहां भी उसे तालमेल नहीं करना है। इसके अलावा बाकी किसी राज्य में उसका कोई आधार नहीं है। फिर भी उसे बिहार में सीट चाहिए, महाराष्ट्र में सीट चाहिए, तेलंगाना में भी सीट चाहिए और झारखंड में भी एक सीट चाहिए। वह दूसरी विपक्षी पार्टियों के असर वाले सभी राज्यों में तालमेल करके लड़ना चाहती है।

सार-समाचार

नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक ने किया आकस्मिक निरीक्षण

दुर्ग। नव पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) द्वारा थाना दुर्ग, पुलगांव, पदमनाभपुर एवम चौकी अंजोरा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। थाने में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों को विधानसभा चुनाव के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। साथ ही नवरात्र पर्व में गुजरने वाले पैदल यात्रियों का सुरक्षित आवागमन हेतु शिवनाथ नदी मार्ग पहुंचकर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के द्वारा पदयात्रियों के सुरक्षित आवागमन हेतु यातायात हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया। दिनांक 15.10.2023 को नव पदस्थ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग श्री राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) द्वारा दुर्ग अनविभाग के थाना कोतवाली दुर्ग, पुलगांव पदमनाभपुर एवं चौकी अंजोरा का आकस्मिक किया गया। उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों से रूबरू होकर आने वाले विधानसभा चुनाव के संबंध में विस्तृत चर्चा कर महत्वपूर्ण बिंदुओं में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, चुनाव कार्य तथा चुनाव संबंधी जारी दिशा निर्देशों का पालन के संबंध में आवश्यक बातो भी बताई गई। सभी अधिकारियों कर्मचारियों की समस्या और सुझाव भी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा सुनी गई। आकस्मिक निरीक्षण के उपरांत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के द्वारा शिवनाथ नदी ब्रिज पहुंचकर आज से शुरू होने वाली नवरात्र में डोंगरगढ़ जाने वाले पद यात्रियों की कुशल एवं सुरक्षित यात्रा के लिए श्री मणि शंकर चंद्रा नगर पुलिस अधीक्षक दुर्ग, थाना पुलगांव एवं चौकी अंजोरा के प्रभारी को बुलाकर विस्तृत चर्चा की गई, जिसमें डोंगरगढ़ जाने वाले पदयात्रियों के लिए किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना हो एवं रात में यात्रा करने वाले पद यात्रियों के लिए किसी अनहोनी नहीं होने के संबध में ठोस कदम उठाने की बात कही गई। रात्रि के समय हाईवे में हाईवे पेट्रोलिंग की वहां तनात करने एवम किसी भी प्रकार के किसी भी पद यात्रियों को दिक्कत होने पर यातायात हेल्पलाइन नंबर 94791-92029 वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के द्वारा जारी किया गया।

गुण्डरदेही क्षेत्र में पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

बालोद। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार नायक के निर्देशन, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अनुविभाग गुण्डरदेही गीता वाधवानी के पर्यवेक्षण व अनुविभागीय दण्डाधिकारी राजस्व मनोज मरकाम, थाना प्रभारी गुण्डरदेही निरीक्षक वीणा यादव, थाना प्रभारी रनचिरई उप निरीक्षक इंदिरा वैष्णव, थाना प्रभारी अर्जुन्दा उप निरीक्षक मनीष शेंडे के द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। शुक्रवार को गुण्डरदेही अनुभाग मे अगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुये आदर्श आचार संहिता का पालने कराने व जानकारी देने हेतु थाना गुण्डरदेही, रनचिरई, अर्जुन्दा नगर मे पैदल पेट्रोलिंग, फ्लैग मार्च निकाल कर संदिग्ध व्यक्तियो का चेंकिंग किया गया व नगर वासियो से अपील किया गया कि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति आपके नगर, मोहल्ला मे आता है या दिखाई देता है तो तत्काल पुलिस को सूचित करे। बालोद जिला विधानसभा गुण्डरदेही क्षेत्र क्रमांक 61 के सभी स्थानों पर विधानसभा चुनाव 2023 के मददेनजर रखते हुए क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु समस्त बल के द्वारा फ्लेग मार्च के जरिये प्रचार प्रसार किया गया एवं किसी भी प्रकार की चुनाव संबंधी आपत्तिजनक सोशल मिडिया में पोस्ट नहीं करने एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने जनता से अपील की गई।

एडीनशल एसपी ने ली दुर्गोत्सव समितियों की बैठक

भिलाई। दिनांक 15.10.2023 से प्रारंभ नवरात्रि एवं विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये लागू आदर्श आचार संहिता को दृष्टिगत रखते हुये रामगोपाल गर्ग, भापुसे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जिला दुर्ग के निर्देशानुसार पुलिस कण्ट्रोल रूम, भिलाई में अभिषेक झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर, दुर्ग व्दारा दुर्गोत्सव आयोजन समिति के अध्यक्ष / सदस्यों की बैठक ली गयी। बैठक में आयोजकां को आदर्श आचार संहिता का पालन किये जाने आयोजन के लिये नियमानुसार संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी से अनिवार्य रूप से अनुमति प्राप्त किये जाने ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग हेतु माननीय उच्चतम न्यायालय/उच्च न्यायालय व्दारा दिये गये निर्देशों का पालन करने, रात्रि 10.00 बजे से प्रात: 06.00 बजे तक किसी भी स्थिति में ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं करने, डी. जे. का उपयोग नहीं करने, पण्डाल एवं वाहन पार्किंग स्थल पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरा लगाने, प्रतिमा एवं पण्डाल की सुरक्षा की सम्पूर्ण जवाबदारी आयोजन समिति की होगी। अत: इसकी सुरक्षा हेतु पण्डाल में प्रत्येक रात्रि में अनिवार्य रूप से वालेण्टियर नियुक्त करने आयोजन के दौरान राजनैतिक प्रचार-प्रसार नहीं करने, आयोजन स्थल पर 24 घण्टे पर्याप्त वालेण्टियर रखने वालेण्टियर नहीं रखने एवं किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित होने की स्थिति में सम्पूर्ण जवाबदारी आयोजकों की होगी, प्रत्येक वालेण्टियर का सत्यापन कराये जाने, आयोजन समिति के अध्यक्ष/सदस्य एवं वालेण्टियर की सूची संबंधित थाना / चौकी को उपलब्ध कराये जाने मार्ग में वाहन पार्किंग व आवागमन अवरूद्ध न हो, इस हेतु पृथक से वाहन पार्किंग की व्यवस्था करने, अवैध पार्किंग शुल्क वसूल न किये जाने इसकी शिकायत प्राप्त होने पर, वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही श्रद्धालु पुरुषों एवं बच्चों, महिलाओं के आगमन प्रस्थान का मार्ग पृथक-पृथक रखने, झांकियों में पर्याप्त आगमन एवं निर्गम व्दार रखने।

जिले के दोनों पक्ष विधानसभा में कांग्रेस -भाजपा के प्रत्याशी घोषित

दोनों पार्टियों में भीतरघात की प्रबल संभावना

राज शार्दुल

कोंडागांव - जिले में दोनों विधानसभा में प्रमुख पार्टी कांग्रेस एवं भाजपा के प्रत्याशी घोषित किया जा चुके हैं। दोनों ही सीट काफी चर्चा पर हैं क्योंकि इन सीटों पर जो प्रत्याशी हैं वह काफी चर्चित लोगों में से हैं। जहां कोंडागांव विधानसभा सीट पर पूर्व पीसीसी अध्यक्ष एवं मंत्री मोहन मरकाम एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री लता उसेंडी के बीच मुकाबला होना है वहीं केशकाल में विधानसभा उपाध्यक्ष एवं आईएएस की नौकरी छोड़कर राजनीति में आ चुके पूर्व कलेक्टर नीलकंठ टेकाम के बीच सीधी लड़ाई है। यही कारण है कि बस्तर संभाग की 12 सीटों में कोंडागांव जिले की दो सीटों की चर्चा अधिक होगी। प्रत्याशियों की सूची घोषित होने से पहले ही प्रचार प्रसार का दौर शुरू हो चुका था। संभावित प्रत्याशियों को यह उम्मीद थी की टिकट उन्हें ही मिलेगी। भाजपा ने केशकाल में टिकट को लेकर अपना रुख साफ कर दिया था अब टिकट की घोषणा के पश्चात दोनों ही पार्टियों में भीतर घात को लेकर चिंता दिखाई दे रही है। खासकर केशकाल विधानसभा में जहां नीलकंठ टेकाम का खुला विरोध हुआ था वहीं कांग्रेस में भी संत नेताम के अपने ही कुछ लोग लंबे समय से विरोध कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में ऐसे लोगों से चुनाव के समय भीतरघात की संभावना दिखाई दे रही है। पार्टियों ने ऐसे लोगों से निपटने के लिए जहां इन पर कड़ी निगरानी रखना शुरू कर दिया है वहीं कट्टर विरोधियों को अन्य विधानसभाओं में प्रचार के लिए भेजे जाने की तैयारी चल रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस के कई नेताओं को अपना घर बार छोड़कर दूसरे प्रत्याशी के चुनाव प्रचार में जाना पड़ा था सूत्रों की मानें तो इस बार ऐसे लोगों की संख्या बढ़ सकती है।

भीतरघात को लेकर कांग्रेस भाजपा सतर्क- कुछ लोग विधायक एवं विधानसभा उपाध्यक्ष संतराम नेताम के पार्टी में रहकर ही विरोध करते रहे हैं। केशकाल विधानसभा में संगठन खेमा लंबे समय से दो भाग में बंटा हुआ है लेकिन पार्टी के किसी भी कार्यक्रम पर इसका असर नहीं होता और संतराम नेताम हर कार्यक्रम को में उम्मीद से ज्यादा सफल होते हैं। इसलिए पार्टी हाई कमान यहां की गुटबाजी को गंभीरता से नहीं लेता बता दें कि जहां एक और पार्टी के कार्यकर्ता काम करते हैं वहीं दूसरी ओर संत नेताम के समर्थक उससे कहीं अधिक संख्या में काम करते हैं। यही कारण है कि उनके किसी भी कार्यक्रम में भीड़ की कमी नहीं होती। चूंकि अभी चुनावी माहौल जोर नहीं पकड़ा है जिससे प्रत्याशियों की स्थिति के बारे में कुछ कह पाना जल्दबाजी होगी एक बात तय है कि कांग्रेस एवं भाजपा में असंतुष्ट लोगों की भरमार है। कांग्रेस के असंतुष्ट नेता संत नेताम की भीड़ के आगे अपनी ताकत का एहसास नहीं करा पाते किंतु नाराजगी इस कदर है कि ये लोग चुनाव में उनके पक्ष में प्रचार भी नहीं कर सकते। यही कारण है कि पार्टी इन्हें विधानसभा चुनाव में किसी अन्य विधानसभा क्षेत्र में दूसरे प्रत्याशी के प्रचार में लगा देती है। सूत्रों के अनुसार इस बार भी ऐसे लोगों की सूची बन रही है जिनको विधान सभा से बाहर भेजा जाएगा। सूत्र बता रहे हैं कि कुछ लोग कोंडागांव विधानसभा में रहेंगे तो कुछ लोगों को कोंटा विधानसभा भेज दिया जाएगा जिससे यहां भीतरघात की स्थिति से निपटा जा सके। भाजपा में सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है नीलकंठ टेकाम के प्रत्याशी घोषित होने के बाद भी पार्टी में एक जुटता नहीं दिखाई दे रही है पार्टी के पदाधिकारी अब तक चुनाव को लेकर उत्साहित नजर नहीं आ रहे हैं। भाजपा में भी वही स्थिति है की नाराज लोग पार्टी के खिलाफ जा सकते हैं किंतु यह अब तक पता नहीं चला है कि प्रत्याशी का विरोध करने वाले लोगों को विधानसभा से बाहर भेजा जाएगा या उन्हें यहीं रहकर काम पर लगाने के लिए मान मनौव्वल किया जाएगा बहरहाल स्थिति यह है कि दोनों ही पार्टी में कुछ लोगों का मान मनौव्वल हो जाएगा किंतु जिन पर विश्वास नहीं है ऐसे लोगों को दूसरे क्षेत्र में भेजा जा सकता है।

सुपेला पुलिस ने जब्त की 128 पुड़िया ब्राउन शुगर समेत ढाई लाख की नशे की खुराक

एन्टी क्राईम एवं सायबर यूनिट दुर्ग एवं थाना सुपेला की संयुक्त कार्यवाही

दुर्ग। जिला दुर्ग में नषे के खिलाफ मुहिम चलाने व कार्यवाही हेतु, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/उप पुलिस महानिरीक्षक श्री राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के द्वारा नषे के कारोबारियों की पतासाजी कर उनके विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देष प्राप्त हुये थे, जिसके परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री अभिषेक झा (रा.पु.से.) एवं नगर पुलिस अधीक्षक (भिलाई नगर) श्री विष्व दीपक त्रिपाठी (रा.पु.से.) के मार्गदर्शन में एवं ए.सी.सी.यू प्रभारी निरीक्षक नरेष पटेल व संतोष मिश्रा एवं थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक दुर्गेष शर्मा के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम गठित कर टीम को कार्यवाही हेतु लगाया गया था।

टीम द्वारा नषे के कारोबारियों पर सतत् निगाह रखी जा रही थी, विषेष सूत्र भी लगाये गये थे। जेल से रिहा हुये पूर्व के आदतन नषे के कारोबारियों पर निगाह रखी जा रही थी। इसी दौरान एसीसीयू की टीम को विषेष सूत्रों से पता चला की सुधीर एक्स-रे गली महेन्द्र शो रूम सुपेला के पास 02 व्यक्ति एक होण्डा शाईन मोटर सायकल में अवैध रूप से लाभ अर्जित करने हेतु मादक पदार्थ ब्राउन शुगर को, नवयुवको को बिक्री कर रहा है कि सूचना पर सुधीर एक्स-रे गली महेन्द्र शो रूम सुपेला के आस-पास घेराबंदी कर श्याम सिंह उर्फ बाबा एवं सूरज अग्रवाल को पकड़ा गया। आरोपियों के कब्जे से 128 नग पूड़िया में 14 ग्राम 22 मिलीग्राम ब्राउन शुगर कीमती करीबन 1,40,000/- रूपये एवं नगदी रकम 1850/- रूपये, घटना में प्रयुक्त एक होण्डा शाईन मोटर सायकल कीमती लगभग 80,000/- रूपये, जुमला कीमती तकरीबन 2,21,850 रूपये को बरामद कर जप्त किया गया। आरोपियों के विरूद्ध थाना सुपेला में अपराध क्रमांक 844/2023, धारा 21 (ब) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है। उक्त कार्यवाही में एसीसीयू से सउनि राजेष पाण्डेय, प्र.आर.प्रदीप सिंह, कपिल यादव, षिव तिवारी, आरक्षक शोभित सिन्हा, बालमुकुंद साहू, चित्रसेन साहू, जगजीत सिंह, तिलेष्वर राठौर, केषव साहू, नरेन्द्र सहारे, शौकत हयात, खुर्रम बक्स, सनत भारती व थाना सुपेला से उनि मनीष बाजपेयी, प्र.आर.अमर सिंह, आरक्षक जुनैद सिद्धिकी, विवेक सिंह की उल्लेखनीय भूमिका रही।

आरोपियों का नाम:-

श्याम सिंह उर्फ बाबा पिता स्व.पूनाराम उम्र 29 वर्ष सा.केम्प 02 तलाब शारदापारा यादव किराना के पास छावनी।

सूरज अग्रवाल पिता केषव अग्रवाल उम्र 23 वर्ष सा.गोडाघाट चौक थाना खैरागढ़ हाल पता केम्प 02 तलाब शारदापारा यादव किराना के पास छावनी।

एम सी बी थाने के प्रांगण में बलवा ड्रीम का अभ्यास छेत्र में समस्त बलों के साथ फ्लैग मार्च किया गया

राजीव वर्मा

चिरमिरी-भारत भास्कर---आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक एमसीबी के निर्देशानुसार शांति व्यवस्था हेतु पुलिस द्वारा थाने के प्रांगण में बलवा ड्रिल का अभ्यास किया क्या एवं पूरे क्षेत्र में समस्त बलो के साथ फ्लैग मार्च किया गया

थाना प्रभारी दीपेश सैनी ने बताया कि आगामी त्योहार और विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए एरिया डोमिनेशन और जवानों में बलवा सामग्री विशेष रूप से शील्ड, बॉडीगार्ड, चिन गार्ड, एल्बो गार्ड, केन और हेलमेट को धारण करने की क्षमता का विकास करने का अभ्यास कराया गया जिसके लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जोड़े में आपस में लाठियां चलाकर प्रहार और बचाव करने का अभ्यास किया। इस अभ्यास के बाद शील्ड और बलवा सामग्री धारण किए हुए शहर के प्रमुख मार्ग बड़ा बाजार से गोदरीपारा,डोमनहिल कोरिया कॉलरी, मालवीय नगर ,हल्दीबारी क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया जिससे कि जवानों में तनाव रहित होकर बलवा सामग्री धारण करने की क्षमता का विकास हो सके और कानून व्यवस्था छिन्न-भिन्न होने की स्थिति में डटकर बलवाइयों का मुकाबला कर सके एवं लोगों की जान-माल की सुरक्षा कर सके और शांति व्यवस्था पुन: बहाल कर सकने की रणनीति के निर्माण का प्रयास किया गया।

ठंड की दस्तक.. सुबह छाने लगी हल्की धुंध, हिल स्टेशन की खूबसूरती बढ़ी

राजीव वर्मा

चिरमिरी-भारत भास्कर---रेलवे स्टेशन चिरमिरी में सुबह हल्की धुंध छा रही हैं जिससे मौसम सुहाना हो चला है। चिरमिरी में सुबह हल्की धुंध हिल स्टेशन की सुंदरता को चार चांद लगा रही है। चिरमिरी रेलवे स्टेशन की खूबसूरती भी देखने लायक है। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई 13 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ से हो गई है। आसमान साफ रहने से उत्तर की हवा ठंड का अहसास कराएगी।जिले में सोमवार से अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट आने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 32 से गिरकर 31 डिग्री व न्यूनतम तापमान 20 से गिरकर 19 डिग्री पर होगा। वहीं शुक्रवार तक तापमान 29 व 18 डिग्री तक आ जाएगा। ठंड की दस्तक के साथ ही जिले का मौसम तेजी से बदलने लगा है।

मिशन रानीगंज एक शिक्षाप्रद फिल्म है जो खदान में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को प्रेरणा देगा-जी एम श्रीवास्तव

राजीव कुमार वर्मा

चिरमिरी -भारत भास्कर-एस ई सीएल चिरमिरी प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों के अंदर माइंस सुरक्षा को लेकर एक नई पहल की है जिसके तहत 16-एवं 17 अक्टूबर को क्षेत्र भर के लगभग 3 हजार कर्मचारी अधिकारी अपने परिवार सहित सिर्फ अपनी आई डी दिखा देख रहे है मिशन रानीगंज फिल्म प्रबंधन का मानना है कि फिल्म देखकर कोयला खदान में कार्यरत कर्मचारियों सहित निसंदेह वर्तमान एवं भविष्य की पीढ़ी इस कहानी और फिल्म से कुछ नया करने को प्रेरित होगी

बता दें कि पश्चिम बंगाल रानीगंज स्थित महावीर खान हादसे में मानेंगे इंजीनियर यशवंत गिल के नेतृत्व में चला ऑपरेशन देसी जुगाड़ के भरोसे इनोवेशन की मिसाल है उक्त हादसे पर बनी फिल्म रानीगंज को एसईसीएल चिरमिरी के महाप्रबंधक नवनीत श्रीवास्तव के कारगर पहल पर स्थानीय एस ईसीएल अधिकारी संगठन के फंड से स्पेशल शो कर रही हैं अन्य कोयला कंपनियों में भी ऐसी पहल किए जाने की उम्मीद है तीन दशक पूर्व देसी जुगाड़ पर आधारित रेस्क्यू ऑपरेशन के से 65 खनिजों की जान बचाई गई थी 16 नवंबर 1989 के दिन पश्चिम बंगाल के रानीगंज महावीर कोयला खदान हादसे में 65 खनिक खदान के अंदर फस गए थे फंसे हुए स्थान का सही आकलन कर समानांतर सुरंग बना यशवंत गिल ने 65 लोगों की जान बचाई थी इसके बाद यशवंत गिल को कैप्सूल गिल कहा जाने लगा था यशवंत गिल को इस आयोजन के बाद कई पुरस्कार एव सम्मान मिले

श्रम संगठन के नेताओं ने बताया कि मृत्यु के 1 साल पहले यशवंत गिल ने बंगाल के ही स्कूल में बच्चों के कार्यक्रम में महावीर खान हादसे के बारे में बताया था तब उन्होंने हादसे के बाद की स्थिति एवं स्वयं की मनोदशा से बच्चों को अवगत कराया था उन्होंने बताया था कि कैसे देसी लोहार एवं कोलियरी के वर्कशॉप में कैप्सूल बनाया जिसमें बैठकर फंसे कोयला कर्मी समानांतर को खोदी गई सुरंग से एक-एक कर बाहर निकले

प्रबंधन ने सूचना किया चस्पा----प्रबंधन के द्वारा अपने कर्मचारियों को निशुल्क फिल्म दिखाने के उद्देश्य से दो दिन पहले ही प्रत्येक कालरी इकाइयों के नोटिस बोर्ड में सूचना चस्पा कर दी गई थी जिसमें अवगत कराया गया कि क्षेत्र के महाप्रबंधक के कुशल नेतृत्व में संयुक्त सलाहकार समिति चिरमिरी क्षेत्र के साथ यह निर्णय लिया गया है इस फिल्म के माध्यम से दिखाया गया है जो हमें भी साहस एवं प्रेरणा प्रदान करेगा समय सारणी में 16 अक्टूबर को शाम 6 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक के शो में केवल प्रथम पाली एवं समान्य पाली के कर्मचारी एवं उनके आश्रितों को शामिल किया गया है तथा 17 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे से दोपहर 1 तक के शो में खदान में कार्यरत द्वितीय पाली एवं रात्रि पाली के कर्मचारी एवं उनके आश्रितों को शामिल रखा गया है जबकि 18 अक्टूबर को अधिकारी परिवार सहित फिल्म देखेंगे सूचना में कहा गया है कि चलचित्र देखने वाले कर्मचारी अपना परिचय पत्र एवं उनके आश्रित सदस्यों का मेडिकल कार्ड द्वार पर दिखाने के पश्चात ही प्रवेश दिया जाएगा समय सारणी के अनुसार समस्त कर्मचारी चलचित्र का आनंद भी लेंगे तथा कोयला के उत्पादन में कोई बड़ा भी नहीं आएगी

श्रमिक नेता ने को लिखा पत्र - कोयला श्रमिक संघ सीटू के जनरल सेक्रेटरी डी एम मनोहर ने एस ईसीएल के सीएमडी को पत्र प्रेषित कर कहां है कि कोयला श्रमिक संघ सीटू सुझाव से संबंधित अवगत कराना चाहता है कि हाल में ही रिलीज चलचित्र मिशन रानीगंज जो हमारे देश में संचालित कोयला उद्योग के इतिहास से परिलक्षित है जिसके चित्रण से कोयला उद्योग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जोड़ा जाना चाहिए ताकि उद्योग के प्रति प्रेम आकर्षक और जिम्मेदारी का एहसास कराया जा सके चिरमिरी क्षेत्र के महाप्रबंधक के नेतृत्व एवं संयुक्त केंद्रीय श्रमिक संगठनों के द्वारा लिए गए निर्णय अनुसार आगामी दशहरा एवं दीपावली के पावन पर पर कोयला कामगारों को निशुल्क चलचित्र मिशन रानीगंज दिखाई जा रही है यह पहल अत्यंत सराहनीय है इसी तरह सीसीएल के सभी क्षेत्रों में भी निशुल्क चलचित्र मिशन रानीगंज दिखाई जाने की हम सभी अपेक्षा करते हैं

मिशन रानीगंज एक शिक्षाप्रद फिल्म है जिसमें खदान के भीतर संकट में फंसे मजदूरों को बहुत साहसिक निर्णय लेकर बाहर निकल गया जो खदान में काम करने वाले सभी कर्मचारियों को प्रेरणा देगा क्षेत्र के जेसीसी के साथ संयुक्त निर्णय में निर्णय लिया गया की उक्त प्रेरणादाई फिल्म सभी कर्मचारियों को मुफ्त में दिखाई जाए मुझे पूर्ण विश्वास है कि फिल्म देखने के पश्चात कर्मचारी में अपने सुरक्षा के साथ काम के प्रति उत्तरोत्तर जिम्मेदारी मजबूती से भरेगी

नवनीत श्रीवास्तव
महाप्रबंधक
एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र

तमिलनाडु-श्रीलंका के बीच फेरी सर्विस, साढ़े 3 घंटे का सफर

150 लोग बैठ सकेंगे; जयशंकर बोले- कनेक्टिविटी, कोऑपरेशन और कॉन्टैक्ट पर फोकस

नई दिल्ली/चेन्नई,एजेंसी

फेरी सर्विस को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अच्छी शुरुआत बताया। साथ ही कहा कि हमारा फोकस कनेक्टिविटी, कोऑपरेशन और कॉन्टैक्ट्स पर है। यह हमारी पड़ोसी फर्स्ट पॉलिसी का हिस्सा है। भविष्य मे हमारा ग्रिड कनेक्शन, पाइपलाइंस और इकोनॉमिक कॉरिडोर का भी प्लान है। फेरी का शुरू होना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और श्रीलंकाई पीएम रानिल विक्रमसिंघे की सकारात्मक कोशिशों का ही परिणाम है। भारत ने श्रीलंका को बता दिया था कि वहां रहने वाले तमिल समुदाय की जरूरतों का ध्यान रखा जाएगा, ताकि वे सम्मानजनक जिंदगी जी सकें। इसी साल जुलाई में ही दोनों देशों के नेताओं ने इस पर सहमति जता दी थी।

110 किमी की दूरी करीब साढ़े तीन घंटे में तय करेगी

अफसरों के मुताबिक, फेरी का संचालन भारत का शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया कर रहा है। इसमें 150 यात्री सफर कर सकते हैं। तमिलनाडु के

नागापट्टिनम से श्रीलंका के कांकेसंथुरई के बीच की दूरी 60 नॉटिकल मील (110 किमी) है। सामुद्रिक परिस्थितियों के हिसाब से फेरी यह दूरी करीब साढ़े तीन घंटे में तय करेगी।

आसान वीजा देकर टूरिज्म बढ़ाना चाहते हैं

जयशंकर ने कहा कि मोदी जाफना पहुंचने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री थे, ये कोई नहीं भूल सकता। उनकी प्रतिबद्धता श्रीलंका में हाउसिंग प्रोजेक्ट्स, कल्चरल सेंटर्स और हॉस्पिटल्स में देखी जा सकती है। हमने क्षेत्र के सभी देशों के विकास के लिए सागर (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन) पॉलिसी बनाई है। भारतीय विदेश मंत्री ने ये भी कहा कि भारत का मकसद लिविंग को आसान बनाना है। इसके लिए ही फेरी सर्विस शुरू की गई है। एयर कनेक्टिविटी से पहले जरूरी है कि वीजा आसानी से मिले, ताकि पर्यटन बढ़े। इस साल जनवरी में दुनिया की सबसे लंबी रिवर क्रूज यात्रा शुरू हुई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 जनवरी को 'एमवी गंगा विलास' को वाराणसी से रवाना किया था। गंगा विलास 3,200 किलोमीटर के लंबे सफर पर निकला था। यह क्रूज वाराणसी से चलकर बांग्लादेश के रास्ते असम के डिब्रूगढ़ पहुंचा था। 5 स्टार होटल जैसी लग्जरी सुविधाओं वाले इस रिवर क्रूज में 32 विदेशी टूरिस्ट्स ने 51 दिन की गंगा यात्रा की थी।

ब्रीफ न्यूज

रिपब्लिकन ने जिम जॉर्डन को बनाया प्रतिनिधि सभा अध्यक्ष के लिए उम्मीदवार, ट्रंप ने किया समर्थन

वॉशिंगटन। अमेरिका की सबसे पुरानी पार्टी रिपब्लिकन ने प्रतिनिधिसभा के अध्यक्ष पद के लिए फायरब्रांड नेता जिम जॉर्डन को उम्मीदवार बनाया है। शुक्रवार को रिपब्लिकन के आंतरिक मतदान में जॉर्डन के नाम पर अंतिम सहमति बनी। बता दें, जॉर्डन को ट्रंप का कट्टर समर्थक माना जाता है। वहीं, पूर्व अध्यक्ष कैविन मैक्कार्थी का कहना है कि मुझे लगता है कि जॉर्डन बहुत अच्छा काम करेंगे।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिम जॉर्डन को नामित करने के फैसले का स्वागत किया है। जॉर्डन और ट्रंप के बीच काफी मजबूत रिश्ते हैं। जॉर्डन के कारण ट्रंप को चुनावी धोखाधड़ी सहित चार अलग-अलग मामलों में राहत मिल सकती है। कैपिटल हिल हमले के दौरान जॉर्डन कांग्रेस में उनके मुख्य रक्षक के रूप में थे। हालांकि, सभी रिपब्लिकन जॉर्डन को स्पीकर के रूप में देखना पसंद नहीं करेंगे।एक सप्ताह पहले, रिपब्लिकन सांसद केविन मैक्कार्थी को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। अमेरिकी संसद कांग्रेस के निचले सदन यानी प्रतिनिधि सभा ने मैक्कार्थी को स्पीकर पद से हटाने के पक्ष में मतदान किया था। अमेरिका के इतिहास में पहली बार इस तरह का मतदान हुआ था। मैक्कार्थी वोटिंग के जरिये पद से हटाए जाने वाले पहले स्पीकर बन गए थे।

हमास लड़ाके पालने से उठा ले गए इजराइली बच्चे

मां-बाप को मारा, बच्चे को पानी देकर बिस्मिल्लाह बुलवाया

तेल अवीव,एजेंसी

इजराइल की डिफेंस फोर्सेस ने 7 अक्टूबर को किए हमास के हमले का वीडियो शेयर किया है। इसमें हमास के लड़ाके इजराइली बच्चों को पालने से उठाकर ले जाते दिखाई दे रहे हैं। इजराइल ने दावा किया है कि हमास ने इन बच्चों के माता-पिता को मारा। इसके बाद वो बच्चों को अपने साथ उठा ले गए। शेयर किए गए वीडियो में हमास लड़ाके एक नवजात और दो 4 से 6 साल की उम्र के बच्चों को उठाते दिख रहे हैं। बच्चों को अगवा करते वक्त लड़ाकों के पास,च-47 असॉल्ट राइफल थी। इजराइल और हमास की जंग का शनिवार को आठवां दिन है। 7 अक्टूबर से अब तक इजराइल के हमलों से गाजा में 1900 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इनमें 614 बच्चे और 370 महिलाएं शामिल हैं। वहीं 7600 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। दूसरी तरफ इजराइल ने कहा है कि उसने लगभग 1,500 आतंकवादियों को मारा है। हमास के बच्चों को अगवा करने का वीडियो शेयर कर, इजराइल डिफेंस फोर्स ने लिखा है कि उन्हें चोट लगी दिखाई दे रही है। वो रो रहे हैं। डर से कांप रहे हैं। हम हमास के आतंकियों को हराकर रहेंगे।वीडियो में हमास का एक लड़ाका बच्चे को पानी देता है, फिर उसे बिस्मिल्लाह बुलवाता है। ये एक अरबी शब्द है , जिसका अर्थ है अल्लाह या ईश्वर के नाम से।इजराइल की सेना कल रात टैंक लेकर गाजा में घुस चुकी है। स्पेशल फोर्सेस ने कई जगहों पर रेड की है। सेना का कहना है कि वो अपने बंधक बनाए नागरिकों को खोज रही है। इसके लिए ये घुसपैठ की है। वहीं, हमास का कहना है कि गाजा पर की गई बमबारी में 11 इजराइली बंधक मारे जा चुके हैं। अगर इजराइल ने गाजा की वॉटर और इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई बहाल नहीं कि तो वो सभी बंधकों को मार डालेंगे।

इजराइली सेना के सीक्रेट्स जानता था हमास

हमास के 10 लड़ाकों को पता था कि इजराइली खुफिया केंद्र को कैसे ढूंढ़ना है और इसके अंदर कैसे जाना है। इजराइल में घुसपैट करने के बाद, वे पांच मोटरसाइकिलों पर सावर होकर पूर्वी दिशा में आगे बढ़े। हर बाइक पर दो लड़ाके थे। आगे बढ़ते समय वे पास से गुजरने वाली गाड़ियों पर गोलियां बरसा रहे थे।करीब 16 किलोमीटर बाद वे सड़क से हटकर जंगलों की ओर चले गए। यहां एक मिलिट्री गेट के बाहर उतर गए। गेट पर कोई गार्ड नहीं था। लड़ाकों ने यहां छोटे बम का इस्तेमाल करते हुए बैरियर तोड़ा। बेस में घुसे। ग्रुप सेल्फी ली। फिर एक निहत्थे इजराइली सैनिक की गोली मारकर हत्या कर दी।इजराइली सेना के अधिकारियों ने हमास की घुसपैठ से जुड़ी यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि कैसे हमास ने ये सरप्राइज अटैक प्लान किया और मध्य-पूर्व की सबसे शक्तिशाली सेना को मात दी। उन्होंने बताया कि हमास इजराइली सेना की कमजोरियां और सीक्रेट्स जानता था।

इजराइल पर हमले का कमांडर मारा गया

इजराइल और हमास की जंग का आज आठवां दिन है। इस बीच इजराइली सेना ने बताया है कि उन्होंने 7 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले को लीड करने वाले कमांडर अली कादी को मार गिराया है। अली कादी को मारने का काम इजराइल की इंटरनल इटेलिजेंस एजेंसी शिन बेत ने किया है। आज सेना के हमले में मारा जाने वाला ये हमास का दूसरा कमांडर है। इसके पहले हमास का एयरफोर्स कमांडर मार गया था। वहीं, इजराइल ने रात भर गाजा पर बम बरसाए। इससे वहां 24 घंटे में 320 लोगों की मौत हुई है। इजराइल ने गाजा की तरफ वाटर और इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई को रोक दिया था। इससे वहां पानी खत्म होने की कगार पर है। ह ने कहा है कि इससे 20 लाख लोगों की जिंदगी दांव पर लगी है। दूसरी तरफ इजराइली न्यूज वेबसाइट हारेट्ज ने बताया है कि कल देर रात इजराइल की डिफेंस फोर्सेज ने गाजा सिटी में रेड की थी। ये रेड उन इलाकों में की गई थी, जहां हमास ने इजराइल के 150 बंधकों को रखा था। वहां इजराइली सैनिकों को कई लाशें और कुछ सामान मिला है। जो हमास के बंधकों और उन लोगों का बताया गया है जो 7 अक्टूबर को हुए हमले के बाद से लापता थे। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि 7 अक्टूबर से अब तक इजराइल के हमलों से गाजा में 2,215 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है। इनमें 724 बच्चे और 370 महिलाएं शामिल हैं।

तेल अवीव से गाजा तक रॉकेट की बारिश और धमाके

अचानक सायरन बजने शुरू होते हैं, रेडियो पर अनाउंसमेंट होने लगता है। दूर से रॉकेट आता हुआ दिखता है, जो पीछे आसमान में सफेद लकीर बनाता हुआ चला जाता है। फिर एक धमाका होता है। किस घर पर मिसाइल गिरेगी, कोई नहीं जानता। मुश्किल से कुछ सेकेंड मिलते हैं, जान बचाने और बम शेल्टर में छिपने के लिए। साउथ इजराइल के शहरों के आसमान में ये दिन में 30-40 बार हो रहा है। और 13 अक्टूबर की शाम तक नॉर्थ इजराइल भी सायरन गूंजने लगा है। 13 अक्टूबर की सुबह 9 बजे दैनिक भास्कर की टीम गाजा की तरफ रवाना हुई। 60 किमी का सफर कर हम करीब अश्कलोन शहर पहुंचे। शहर में घुसे ही थे कि सायरन बजने लगा। धमाकों की आवाज आने लगी।

महिला आरक्षण जल्दी लागू कराने के लिए संघर्ष करेंगे

सोनिया गांधी ने महिला अधिकार सम्मेलन में कहा अभी लंबा रास्ता तय करना बाकी

चेन्नई ,एजेंसी

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को कहा कि विपक्षी ढ्ढ.ह्र.ष्ठ.ढ्ढ. गठबंधन हाल ही में संसद में पारित महिला आरक्षण बिल को जल्दी लागू करने के लिए संघर्ष करेगा। उन्होंने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले नौ सालों में नरेंद्र मोदी सरकार की ओर से महिलाओं को केवल पुरुष सत्ता वाले ढांचे में बंधी, पारंपरिक भूमिका में ही गिनती में रखा गया। सोनिया ने यहां सत्तारूढ़ द्रमुक के महिला अधिकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उनके पति, दिवंगत राजीव गांधी पंचायती राज, स्थानीय स्वशासन में महिलाओं के लिए ऐतिहासिक 33 प्रतिशत आरक्षण लाए। इससे जमीनी स्तर पर महिला नेतृत्व का नया दौर आया सम्मेलन को प्रियंका वाड्रा ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रक्रिया में गिना जाना हमारा अधिकार है। प्रियंका ने महिला आरक्षण तुरंत लागू करने की मांग की।

सोनिया बोलीं- महिलाएं खुश नहीं

सोनिया ने कहा कि विधायी संस्थाओं में एक तिहाई सीटों पर आरक्षण महिला आरक्षण के लिए कांग्रेस का संसद और संसद के बाहर उठाया एक महत्वपूर्ण कदम था। अब महिला आरक्षण विधेयक सिर्फ कांग्रेस ही नहीं, बल्कि हम सभी के अथक प्रयासों के कारण पारित हो गया है। हालांकि जैसा कि हम सभी जानते हैं, अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है।उन्होंने बिल को एक, दो या तीन साल में लागू करने के लिए विपक्षी सांसदों की संसद में कोशिशों का उल्लेख किया। सोनिया ने हालांकि यह भी कहा,आपमें से कुछ पुरुष खुश हैं, लेकिन हम महिलाएं खुश नहीं हैं। केंद्र सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण कानून बनाया। 19 सितंबर को केंद्र सरकार ने लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पेश किया। ये विधेयक लोकसभा और राज्यसभा से पारित होने के बाद राष्ट्रपति के पास हस्ताक्षर होने के लिए पहुंचा। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु के हस्ताक्षर के बाद ये विधेयक कानून बन चुका है। विधेयक में साफ तौर पर लिखा है कि महिलाओं के लिए एक तिहाई रिजर्वेशन डिलिमिटेशन यानी परिसीमन के बाद ही लागू होगा। विधेयक के कानून बनने के बाद जो पहली जनगणना होगी, उसके आधार पर परिसीमन होगा।

पाकिस्तान में 13 साल की हिंदू लड़की का अपहरण

परिवार बोला- जबरन धर्म परिवर्तन करवाया, मुस्लिम लड़के से शादी की

अमृतसर,एजेंसी

पाकिस्तान में एक हिंदू लड़की को अगवा करके उससे शादी करने और जबरदस्ती इस्लाम कबूल करवाने का मामला सामने आया है। लड़की का परिवार बीते 6 दिनों से पुलिस के चक्कर काट रहा है। पुलिस ने स्नद्बक्रतो दर्ज कर ली, लेकिन ना लड़की को छुड़ाने की कोशिश हुई और ना ही आरोपियों को पकड़ा गया है। मजबूर होकर यह परिवार अब सड़क पर प्रदर्शन कर रहा है। यह घटना पाकिस्तान के सिंध प्रांत में टांडो मोहम्मद खान की है। 8 अक्टूबर को 13 साल की हिंदू लड़की राधा मेघवार को कुछ लोगों ने अगवा कर लिया। इसमें इलाके के जाने-माने मुस्लिम परिवार का बेटा थारो काशखेली शामिल है। मीडिया में यह खबर अब सामने आई है। लड़की के परिवार को आरोप है कि उनकी बेटी का धर्म परिवर्तन करवा दिया गया है और मुस्लिम लड़के के साथ उसकी जबरदस्ती शादी करवा दी गई है। यह सब उसकी और परिवार की रजामंदी के बिना हो रहा है। लड़की के परिवार का कहना है कि घटना के बाद ही वह सिंध पुलिस के पास चले गए थे। पुलिस ने उनके दबाव में स्नद्बक्र तो दर्ज कर ली, लेकिन कार्रवाई आज तक नहीं हुई है। पुलिस आरोपियों को पकड़ने और उनकी बेटी को आरोपियों से छुड़वाने में भी नाकाम साबित हो रही है।परिवार का कहना है कि यहां यह कहानी हर हिंदू परिवार की हो चुकी है। मुस्लिम कट्?टरपंथी हिंदू परिवार की कुंवारी बेटियों को तो उठा रहे हैं, शादीशुदा महिलाओं से भी आए दिन रेप जैसी घिनौनी हरकतें होती हैं। लेकिन पुलिस हिंदू परिवारों के हक में कोई कार्रवाई नहीं करती।

लोबुचे में लैंडिंग के दौरान चॉपर में लगी आग, बाल-बाल बची पायलट की जान

काठमांडू। नेपाल की मनांग एयर का एकचॉपर शनिवार को एक पहाड़ी क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में पायलट घायल हो गया। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एवरेस्ट बेस कैंप के पास लुकला से चॉपर 9एन एएनजे यात्रियों को लेने के लिए उड़ान भरी, लेकिन उत्तर पूर्वी नेपाल के लोबुचे में लैंड करने के दौरान चॉपर पहले पलट गई और फिर उसमें आग लग गई।

हेलीकॉप्टर में केवल पायलट प्रकाश सेधाई ही मौजूद था और इस हादसे वी जख्मी हो गया। हालांकि, उसे इलाज के लिए काठमांडू लाया गया है। इसी साल जुलाई में सोलुखुम्बु जिले के लिखुपिके ग्रामीण नगर पालिका के लमजुरा में मनांग एयर चॉपर के दुर्घटनाग्रस्त होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। उस चॉपर में पांच मैक्सियों के नागरिक सवार थे।

चीन ने एलएसी पर सैन्य अड्डे बनाए

नई दिल्ली,एजेंसी। चीन की सेना लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक के उस पार गांव बसाने के नाम पर सैन्य अड्?डे बना रही है। इन गांवों का इन्फ्रास्ट्रक्चर इस तरह से बनाया जा रहा है कि इनका इस्तेमाल सैन्य अड्डों के रूप में किया जा सके। गांवों में बनाए गए वॉच टावर, बड़े वेयर हाउस और कॉन्क्रीट के ढांचे इसी ओर इशारा करते हैं। की रखवाली से जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों ने इस बारे में केंद्र सरकार को विस्तृत जानकारी दी है।3,488 किलोमीटर लंबी के पास चीन ने 'शियाओकांग' नाम से 628 गांव बसा लिए हैं। शियाओकांग का मतलब चीनी भाषा में 'समृद्ध' होता है। इनमें से ज्यादातर गांव उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश से लगे बॉर्डर के पास हैं। इन गांवों में निगरानी चौकियां, स्टोरेज और हेलीपैड जैसी सुविधाएं बना ली गई हैं।भारत ने वाइब्रेट विलेज योजना बनाई है। इसके तहत 2,900 गांवों को जोड़ा जाएगा। सभी गांव पर हैं। वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलप करना चीनी क्षेत्र के मुकाबले कठिन है। इसलिए सरकार उन गांवों को चिह्नित कर चुकी है, जहां से पलायन हुआ है। ऐसे ज्यादातर गांव उत्तराखंड में हैं। इन्हें फिर से बसाना भी वाइब्रेंट विलेज योजना का हिस्सा है।भारत के सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी सेना शांतिकाल के दौरान इन गांवों को निगरानी चौकियों के रूप में इस्तेमाल करना चाहती है। जबकि सैन्य टकराव की स्थिति में इन गांवों को अग्रिम छावनियों की तरह इस्तेमाल किया जाएगा। खास बात यह है कि इन गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ दिया गया है। उत्तर, मध्य और पूर्वी सेक्टर में सड़कें बनाने का काम तेजी से चल रहा है। सुरक्षा एजेंसियों की जानकारी के अनुसार, चीन ने नए गांव बसाने पर 30 अरब युआन यानी करीब 34,400 करोड़ रु. खर्च किए हैं। इसके अलावा इन गांवों में रहने वाले लोगों को विशेष सब्सिडी भी दी जा रही है, जो 55,000 से 85,000 रु. सालाना है।

लेबनान में मिसाइल हमले में पत्रकार की मौत छह अन्य घायल, इस्राइल पर लगे आरोप

वॉशिंगटन,एजेंसी। दक्षिणी लेबनान में शुक्रवार को एक मिसाइल हमले में न्यूज एजेंसी रायटर्स के एक वीडियो पत्रकार की मौत की खबर है। इस हमले में छह अन्य पत्रकार भी घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि इस्राइल की तरफ से फायर की गई मिसाइल से यह हादसा हुआ। मारे गए पत्रकार की पहचान इसाम अब्दल्लाह के रूप में हुई है। वहीं घायलों में अल जजीरा और न्यूज एजेंसी एएफपी के पत्रकार शामिल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पत्रकार लेबनान के अलमा अल शाब से रिपोर्टिंग कर रहे थे। यह इलाका इस्राइली सीमा के नजदीक है और यहीं पर इस्राइली सेना और लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्ला के बीच लड़ाई चल रही है। लेबनान के प्रधानमंत्री नजीब मिकाती ने इस्राइली हमले में पत्रकार की जान जाने का दावा किया है। हालांकि इस्राइली सुरक्षा बल आईडीएफ ने इसे लेकर कोई बयान नहीं दिया है। संयुक्त राष्ट्र में इस्राइल के प्रतिनिधि गिलाद एर्डन ने कहा कि बेशक, हम किसी पर हमला या किसी की हत्या नहीं करना चाहते लेकिन युद्ध के दौरान ऐसी घटनाएं हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि इस्राइल इस घटना की जांच करेगा। रायटर्स ने बयान जारी कर बताया कि मिसाइल हमले के समय इसाम अब्दल्लाह ब्रॉडकास्टर्स को लाइव वीडियो सिग्नल मुहैया कर रहे थे। उसी दौरान एक तेज धमाका उनके पास हुआ, जिससे वहां चीख पुकार मच गई। न्यूज एजेंसी ने पत्रकार की मौत पर दुख जाहिर किया और पीड़ित के परिवार के प्रति संवेदनाएं जाहिर की। रायटर्स के दो अन्य पत्रकार थाएर अल सूडानी और माहेर नाजेह भी इस हमले में घायल हुए हैं। हालांकि दोनों को प्राथमिक इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। माहेर नाजेह ने बताया कि इस्राइल की तरफ से हुए मिसाइल हमले में अब्दल्लाह की मौत हुई। वहीं एक अन्य मिसाइल ने पत्रकारों की कार को निशाना बनाया, जिससे कार आग की लपटों में घिर गई। न्यूज एजेंसी एपी और अल जजीरा ने हमले का आरोप इस्राइल पर लगाया है लेकिन रायटर्स ने कहा है कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हमला किस तरफ से हुआ।

कभी एक वोटर पर 30 पैसे का था खर्चः आज हर वोटर पर 72 रु. का खर्च

नई दिल्ली,एजेंसी

सृष्टि बनने के बाद से जैसे पृथ्वी सूरज के चक्कर लगा रही हैज्ठीक उसी तरह आजादी के बाद से हमारा देश चुनावों के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। आज 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर बहस कर रहे हमारे देश के चुनावी सफर से क्या आप वाकिफ हैं आज 'इलेक्शन का नंबर गेम' में जानिए आखिर कितनी बदली है 1951 के बाद से देश में चुनाव की तस्वीरज्आंकड़ों को जानने के साथ-साथ स्टोरी में खोजिए आजाद भारत के पहले वोटर का नाम...

1952 के चुनाव में चुने गए थे 489 सांसद

1948 से 1952 में चुनाव सम्पन्न होने तक कुल खर्च 10.4 करोड़ रुपए रहा था। लोकसभा में 1952 चुनाव के दौरान 489 सदस्यों की जगह थी। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 के तहत इन सीटों को बांटा गया था। आंध्र राज्य बनने के बाद, मद्रास और आंध्र के लिए 46 और 28 सीटें निर्धारित की गई, जबकि मैसूर को एक और सीट दी गई । वहीं जम्मू एंड कश्मीर और अंडमान एंड निकोबार आइलैंड के पास 6 और 1 सीटें थीं। सीटें तो जान ली लेकिन क्या आपको आजाद भारत के पहले वोटर का नाम मिला?...जानने के लिए स्टोरी अंत तक पढ़ें

आजाद भारत में वोट डालने वाले पहले वोटर

हिमाचल के किन्नौर जिले के कल्पा गांव के श्याम सरन नेगी। पेशे से टीचर श्याम ने जब 25 अक्टूबर 1951 की सुबह 7 बजे प्राइमरी स्कूल में अपना वोट डाला था, तब वो उस पोलिंग बूथ में वोट डालने वाले पहले इंसान थे। जब शाम हुई तो खबर आई कि श्याम केवल उस पोलिंग बूथ में नहीं, बल्कि आजाद भारत में वोट डालने पहले इंसान थे। 106 साल की उम्र में श्याम सरन नेगी का 2022 में निधन हो गया। श्याम ने अपने जीवन में कुल 33 बार वोट दिया।

सार-समाचार

कांकेर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी शंकर धुर्वा को टिकट मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिलकर मुंह मीठा कराया

कांकेर। सरोना क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांकेर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी शंकर धुर्वा को टिकट मिलने पर उनके निवास मुड़पार में पहुंचकर मुंह मीठा एवं माला पहनकर कर स्वागत किया इस अवसर पर कांग्रेस नेता दिनेश सहारे पुष्कर साहू मोहम्मद वाली देवचंद कोडपी पप्पू धनकर चंद्रहास पटेल मंसाराम नेताम मुकेश नेताम दिनेश नेताम देवचंद नेताम गौरव साहू पंकज मांडवी सूरज सुरोजिया तेजेश्वर कोराम प्रियांशु मांडवी योगेंद्र विश्वकर्मा सुभाष निषाद कमलकांत रितेश विनोद वीरसिंह नितेश साहू लक्ष्मीकांत धनकर मनीष सेठिया शिव मरकाम पंचम यादव शिबू गेंदु राम आर्यन राजू सिंह सुरेश नेताम कपिलाल दयाराम सागर सूर्य कुमार युवा संगठन के समस्त सरोना क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर अब आम आदमी भी ''सी-वीजिल'' ऐप से मिनटों में कर सकता है शिकायत

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर)। जिला दन्तेवाड़ा में विधानसभा चुनाव की तारीख की घोषणा हो चुकी है। इसके साथ ही पिछले दिनों जिले में आधार संहिता लागू हो गई है। चुनाव आयोग का पूरा फोकस आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराने पर होता है, पर कई प्रत्याशी मतदाताओं को लुभाने के लिए इसका उल्लंघन कर सकते इससे निपटने के लिए चुनाव आयोग ने पिछले कुछ वर्षों से तकनीक का उपयोग किया है इस कड़ी में चुनाव आयोग का ''सी-वीजिल'' एप कारगर साबित हो रहा है। इस ऐप के उपयोग के जरिये आम लोग भी आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत कर सकते है। ''सी-वीजिल'' एप को उपयोग के लिए प्ले स्टोर और ऐप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। एंड्रॉयड मोबाइल फोन इस्तेमाल किया जा रहा हैं तो प्ले स्टोर पर जाकर ''सी-वीजिल'' एप लिखना होगा, इसके बाद इंस्टॉल पर क्लिक किया जा सकता है और यही स्टोर पर जाकर पूरा प्रोसेस फॉलो करना होगा।

100 मिनट के अन्दर की जायेगी कार्यवाही : अगर कोई भी व्यक्ति इस ऐप के जरिये आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत करता है तो निर्वाचन से संबंधित टीम के द्वारा 100 मिनट के अन्दर उस शिकायत का निराकरण किया जाएगा, सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाएगी। इस ऐप के माध्यम से शिकायत पर की गई कार्यवाही एसडीएम के माध्यम से मिलती रहेगी।

शासकीय एवं निजी स्थानों से हटाये गये पोस्टर एवं बैनर

कांकेर। भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के द्वारा विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए कार्यक्रम जारी किये जाने के साथ ही आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील हो गई है। निर्वाचन के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों एवं उनके अभ्यर्थियों के द्वारा चुनाव प्रचार करने के लिए शासकीय एवं अशासकीय भवनों पर नारे लेखन एवं बैनर पोस्टर तथा विद्युत और टेलीफोन के खंभों पर चुनाव प्रचार से संबंधित झंडियां लगाई जाती हैं, जिसके कारण शासकीय संपत्ति का स्वरूप विकृत हो जाता है। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने आदेश जारी कर छत्तीसगढ़ संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 1994 का प्रयोग करते हुए इसे हटाने के निर्देश दिये थे। इसके तहत सार्वजनिक सम्पति अंतर्गत 2956 दीवार लेखन, 6109 पोस्टर, 2625 बैनर और 1638 अन्य पोस्टर बैनर हटाये गये। इसी प्रकार निजी सम्पति अंतर्गत 2483 दीवार लेखन, 229 पोस्टर, 156 बैनर और 193 अन्य प्रचार सामग्री हटाई गई है। इस प्रकार सार्वजनिक स्थलों में कुल 13 हजार 328 तथा निजी स्थलों में 03 हजार 61 सहित यानी कुल 16 हजार 389 पोस्टर-बैनर निर्धारित समयावधि में हटाये गये हैं।

सिहावा विधायक ने मां बम्लेश्वरी देवी के दर्शन किए

नगरी। क्षेत्र के विधायक डॉ.लक्ष्मी ध्रुव एवं पीसीसी सदस्य लखन लाल ध्रुव ने डोंगरगढ़ के पहाड़ी में स्थित मां बम्लेश्वरी देवी के मंदिर पहुंच दर्शन लाभ प्राप्त कर पूजा - अर्चना करते हुए सिहावा विधानसभा क्षेत्रवासियों के खुशहाली एवं समृद्धि की कामना किए।

विधानसभा आम निर्वाचन-2023

नामांकन के दूसरे दिन 16 ने प्राप्त किए नामनिर्देशन पत्र, एक ने किया दाखिल

अशोक जैन

कांकेर। विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के तहत जिले के अंतागढ़, भानुप्रतापपुर और कांकेर विधानसभा क्षेत्र के लिए नाम-निर्देशन पत्र 13 अक्टूबर से प्रारम्भ हो गया है, जो कि 20 अक्टूबर तक लिया जाएगा। आज तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 16 नाम-निर्देशन पत्र सम्भावित अभ्यर्थियों के द्वारा क्रय किए गए, जबकि अब तक एक सम्भावित अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र दाखिल (जमा) किया है।

शनिवार एवं रविवार अवकाश के उपरांत आज पुन: नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने और जमा करने की प्रक्रिया सुबह 11.00 से अपराह्न 3.00 बजे के बीच प्रारम्भ हो गई है। भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए ग्रामा टेकाढोड़ा निवासी श्री गौतम उइके ने आज अपना नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किया तथा उनके द्वारा आज ही प्रपत्र दाखिल भी किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अंतागढ़ विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 79 के लिए अंतागढ़ तहसील के ग्राम तुसकाल निवासी श्री संतुराम नुरूटी, पखांजूर तहसील के ग्राम घोटिया निवासी श्री सुरेन्द्र कुमार दर्रो और ग्राम घोटूलबेड़ा (बोंदानार) निवासी श्री विक्रमदेव उसेण्डी ने नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किया।

भानुप्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 80 के अंतर्गत कुल 08 संभावित अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र क्रय किया। इनमें भानुप्रतापपुर तहसील के ग्राम टेकाढोड़ा निवासी श्री गौतम उइके, तहसील चारामा के ग्राम कुरूंटोला निवासी श्री राजेश्वर प्रसाद कांगे, दुर्गूकोंदल तहसील के ग्राम तरहल निवासी श्री लतीफ कुमार पिद्दा, ग्राम कर्रामाढ़ के श्री सेवालाल चिराम, भानुप्रतापपुर तहसील के ग्राम परवी शिकारीपारा निवासी श्री सूरज मण्डावी, चारामा तहसील के ग्राम मरकाटोला निवासी श्री जालम सिंह जुर्री, ग्राम जवरतरा के श्री भोजराम मण्डावी तथा ग्राम तेलगरा (लखनपुरी) निवासी श्रीमती सावित्री मण्डावी ने आज नाम-निर्देशन पत्र क्रय किया।

इसी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 81 कांकेर के लिए ग्राम मुड़पाल दखनी निवासी श्री शंकर ध्रुवा, ग्राम कुरालठेमली (नरहरपुर) निवासी श्री हेमलाल मरकाम, ग्राम बेवरती निवासी श्री आशाराम नेताम, ग्राम मांडाभर्री (नरहरपुर) के श्री डायमंड नेताम और ग्राम कन्हनपुरी नरहरपुर निवासी नमिता नेताम ने नाम निर्देशन पत्र प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि नामांकन के पहले दिन 13 अक्टूबर को 03 संभावित अभ्यर्थियों ने अपना नामनिर्देशन पत्र प्राप्त किया, जिनमें भानुप्रतापपुर के लिए दो और कांकेर सीट के लिए एक अभ्यर्थी शामिल थे।

पिंक बूथ एवं दिव्यांग बुथ के मतदान दलों का हुआ प्रशिक्षण

ट्रेनिंग की आधारभूत जानकारी रखना सर्वाधिक जरूरी, अतः हर जानकारी से अपडेट होवें - कलेक्टर

दंतेवाड़ा (भारत भास्कर)। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत आगामी 07 नवंबर को सुचारू रूप से मतदान प्रक्रिया सम्पादित करने के लिये आज पिंक बूथ एवं दिव्यांग बुथ के मतदान दलों का प्रशिक्षण शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण सत्र के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विनीत नंदनवार ने कहा कि मतदान प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है और इस प्रक्रिया को पूरी सजगता से सीखने की आवश्यकता होती है। क्योंकि ट्रेनिंग अच्छी होगी तो मतदान केन्द्र में भी आसानी से कार्य सम्पादित कर पायेंगें। इसलिए अधिकारियों-कर्मचारी इस बात को ध्यान में रखते हुए अपनी पूरी क्षमता से निर्वाचन के प्रत्येक चरण की गतिविधियों की जानकारी लेवें।

इस प्रशिक्षण सत्र में मास्टर्स ट्रेनर्स द्वारा सेक्टर ऑफिसर्स तथा मतदान दलों के अधिकारियों-कर्मचारियों को कंप्यूटर पावर पाइंट प्रस्तुति के जरिये, मतदान प्रक्रिया के बारीकियों, ईव्हीएम तथा व्हीव्हीपेट हैंड्स ऑन सम्बन्धी विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मास्टर्स ट्रेनर्स द्वारा मतदान प्रक्रिया के पूर्व की तैयारी, मॉक पोल, मॉक पोल के पश्चात सीआरसी अर्थात क्लोज, रिजल्ट एवं क्लीयर की प्रक्रिया तथा मतदान प्रक्रिया सम्पादन और मतदान समाप्ति के बाद ईव्हीएम को क्लोज करना एवं सीलिंग प्रक्रिया, विभिन्न प्रपत्रों को परिपूरित करना, मतपत्र लेखा, परिनियत एवं अपरिनियत लिफाफें को भरे जाने संबंधी के बारे में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। वहीं मोबाईल एप्लीकेशन सी-टॉप्स के बारे में भी जानकारी दीगयी। इस दौरान सभी सेक्टर ऑफिसर्स और मतदान दलों के अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण स्थल में ही ईव्हीएम और व्हीव्हीपेट हैंड्स आन का अभ्यास कराने के अलावा सेक्टर ऑफिसर्स तथा पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान अधिकारियों के शंकाओं का समाधान भी किया गया। साथ ही पूर्व प्रशिक्षण सत्रों में अपेक्षानुरूप अभ्यास न कर सकने वाले अधिकारी कर्मचारियों को भी पुन: प्रशिक्षित किया गया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत कुमार विश्वरंजन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेंद्र ठाकुर सहित अन्य अधिकारी एवं निर्वाचन दायित्व से जुड़े अधिकारी- कर्मचारी मौजूद थे।

कांकेर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी शंकर धुर्वा को टिकट मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मिलकर मुंह मीठा कराया

कांकेर। सरोना क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांकेर विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी शंकर धुर्वा को टिकट मिलने पर उनके निवास मुड़पार में पहुंचकर मुंह मीठा एवं माला पहनकर कर स्वागत किया इस अवसर पर कांग्रेस नेता दिनेश सहारे पुष्कर साहू मोहम्मद वाली देवचंद कोडपी पप्पू धनकर चंद्रहास पटेल मंसाराम नेताम मुकेश नेताम दिनेश नेताम देवचंद नेताम गौरव साहू पंकज मांडवी सूरज सुरोजिया तेजेश्वर कोराम प्रियांशु मांडवी योगेंद्र विश्वकर्मा सुभाष निषाद कमलकांत रितेश विनोद वीरसिंह नितेश साहू लक्ष्मीकांत धनकर मनीष सेठिया शिव मरकाम पंचम यादव शिबू गेंदु राम आर्यन राजू सिंह सुरेश नेताम कपिलाल दयाराम सागर सूर्य कुमार युवा संगठन के समस्त सरोना क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे

निर्माण सामान ले जा रही वाहन को रोकने से सर्व आदिवासी समाज में रोष

भोपालपटनम। शनिवार को पूर्व युवा आयोग के सदस्य अजय सिंह के बतकम्मा शेड़ निर्माण का सामान ले जा रही वाहन को रोकने से सर्व आदिवासी समाज हुआ नाराज। समाज प्रमुखों ने प्रेस वार्ता कर जताई नाराजगी, तारूड के ग्रामीणों ने अपने निजी खर्चे से बना रहे थे शेड़, समाज प्रमुखों ने कहा हमारी आस्था पर पहुंची है ठेस, अजय सिंह के कृत्य को लेकर समाज आगे कार्यवाही करने की कर रहा है मांग।

प्रभु की भक्ति में लीन रहकर सामाजिक सरोकारों में यथायोग्य दे योगदान : रंजना साहू

धमतरी। क्षेत्र के अंतर्गत अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में पितृपक्ष में रामधुनी रामसत्ता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, निरंतर धार्मिक आयोजनों में क्षेत्र की विधायक रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हो रही है, ग्राम मोखा, ग्राम भोथीपार, ग्राम रींवागहन में आयोजित दो दिवसीय रामधुनी प्रतियोगिता का आयोजन समस्त ग्रामवासी के सहयोग से किया गया रहा है, कार्यक्रम के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक रंजना साहू शामिल हुई। विधायक ने अतिथि उद्बोधन में समस्त ग्राम वासियों को नवरात्र पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सनातन धर्म पर विश्वास रखते हुए पूर्ण आस्था से प्रभु की भक्ति में लीन रहकर सामाजिक सरोकारों में यथायोग्य योगदान हमें देना चाहिए। धमतरी धर्म की नगरी है और धार्मिक आयोजन से निरंतर क्षेत्र धर्म में वातावरण से पवित्र होता रहा है। जिला पंचायत सदस्य दमयंती साहू ने बताया कि सृष्टि में दो ही तथ्य सत्य है रामराज और कामराज, निरंतर हम काम तो करते हैं किंतु प्रभु भक्ति के लिए समय निकालना अति आवश्यक है और यह समय धर्ममय वातावरण में आयोजित धार्मिक आयोजन से ही पूर्ण होता है।सनातन धर्म को युवा पीढ़ी को बताने का सर्वोत्तम मार्ग धार्मिक आयोजन है। धर्म मंच को आमदी मंडल अध्यक्ष मुरारी यदु एवं जनपद सदस्य मानिक साहू ने संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से महामंत्री अमर राव, कमलेश यदु, उचित राम यदु, गोवर्धन ध्रुव, गुल्लू राम निर्मलकर, चुनेश्वर यादव, केशव साहू, दिग्विजय सिंह, शिवनारायण साहू, नारायण साहू, मोतीराम साहू, भगवती साहू, राजेश साहू, जयराम ध्रुव, दुखुराम, हिमेश साहू, रामलाल यादव, जवाहर साहू, सेवती साहू, निर्मला साहू आदि।

ईव्हीएम का किया गया प्रथम चरण का रेंडमाइजेशन

विधानसभा आम निर्वाचन-2023

अशोक जैन

कांकेर। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत आज दोपहर 12.00 बजे ईव्हीएम मशीनों का प्रथम चरण का रेंडमाइजेशन विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला और एसपी श्री दिव्यांग पटेल के मार्गदर्शन में कराया गया।

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित ऑनलाइन रैण्डमाइजेशन के दौरान संयुक्त कलेक्टर एवं ईव्हीएम की नोडल अधिकारी सुश्री आस्था राजपूत ने जिले के अंतागढ़, भानुप्रतापपुर और कांकेर विधानसभा क्षेत्र में निर्वाचन के दौरान उपलब्ध ईव्हीएम मशीन की बैलेट युनिट, कंट्रोल युनिट और व्हीव्हीपीएटी की संख्यात्मक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के रेंडमाइजेशन से पूर्व कुल 1820 बैलेट युनिट 393 कंट्रोल यूनिट और 973 व्हीव्हीपीएटी मशीन वेयरहाउस में उपलब्ध हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आज किए गए रेंडमाइजेशन उपरांत तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 843 नग बैलेट एवं कंट्रोल युनिट तथा 920 व्हीव्हीपीएटी मशीन रेंडमाइज किए गए। इस दौरान उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को रेंडमाइजेशन की सम्पूर्ण प्रक्रिया के बारे में भी जानकारी दी।

भाजपा को मिल रहा ऐतिहासिक समर्थन मौजूदा सरकार व स्थानीय विधायक की निष्क्रियता से जनता नाराज - चैतराम अटामी

भाजपा दंतेवाड़ा विधानसभा प्रत्याशी चैतराम अटामी पहुंचे अपने गृह ग्राम कासोली, ग्रामवासियो ने किया जोशीला स्वागत

दंतेवाड़ा(भारत भास्कर) विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी चैतराम अटामी आज अपने गृह ग्राम कासोली पहुंचे जहा उन्होंने ग्रामीणों व परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना 7 ग्रामीणों ने विधानसभा प्रत्याशी बनाये जाने पर चैतराम अटामी का भव्य स्वागत किया 7 भाजपा जिलाध्यक्ष चैतराम अटामी ने बताया की 03 दिनों से लगातार जनसम्पर्क के माध्यम से वे कार्यकर्ताओ के साथ ग्रामीण व शहरी छेत्र की जनता तक पहुँच रहे है ,जनता की समस्या वे सुन रहे है जहा भी जाते है जनता में वर्तमान कांग्रेस सरकार व स्थानीय विधायक देवती कर्मा से लोग नाराज नजर आते है 7 अटामी ने बताया की उन्हें जनता का अपार समर्थन प्राप्त हो रहा है चुनाव परिणाम आते ही दंतेवाड़ा विधानसभा व जिला परिवारवाद से मुक्त होगा ।

अटामी ने कहा की स्थानीय विधायक देवती कर्मा की निष्क्रियता से लोग नाराज है बीते 04 वर्षो में दंतेवाड़ा के विकास के लिये कांग्रेस सरकार और स्थानीय विधायक देवती कर्मा ने कुछ नहीं किया इसलिए अपनी नाकामी छुपाने करारी हार निश्चित समझ कर कांग्रेस पार्टी ने इस बार देवती कर्मा के पुत्र छविंद्र कर्मा को मैदान में बतौर प्रत्याशी उतारा है 7 अटामी ने कहा की जब छविंद्र कर्मा जनता से वोट मांगने जायेंगे तो उनके पास पिछले 04 साल में उनकी कांग्रेस सरकार और विधायक देवती कर्मा के कार्यो के बारे में बताने को लेकर कुछ भी नहीं होगा 7 अटामी ने कहा की हमेशा नवाचार का गढ़ रहा दंतेवाड़ा में कांग्रेस पार्टी अपनी नाकामी छुपाने व जनता को भ्रमित करने अधूरे निर्माण कार्यो का लोकार्पण तक कर चुकी अब जनता को निर्माणाधीन दंतेवाड़ा - किरंदुल मुख्यमार्ग व निर्माणाधीन मंदिर कोरिडोर दिखाने के अलावा कुछ शेष नहीं रह गया है।

संक्षिप्त समाचार

पुरानी रंजिश के चलते युवक को मारा पीटा

रायपुर। ग्राम नवागांव नवापारा में पुरानी रंजिश के चलते दो युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जनक सिन्हा 35 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी जितेन्द्र सिन्हा व राजेन्द्र सिन्हा ने पुरानी रंजिश के चलते प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर गोबरानवापारा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफधारा 294, 506, 323, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

जुआरियों एवं सटोरियों के खिलाफ पुलिस ने की कार्रवाई

रायपुर। राजधानी पुलिस ने अभियान चलाकर जुआरी व सटोरियों के खिलाफ कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार खरोरा पुलिस ने ग्राम बीठीया में जुआ खेलते आरोपी सुनील साहू 46 वर्ष सहित अन्य 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 1500 रुपए जब्त किया है। वहीं गुढियारी पुलिस ने भारत माता चौक के पास ऑनलाइन सट्टा खिलाते आरोपी पराधर साहू 38 वर्ष सहित अन्य 5 को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से 5 नग मोबाइल व नकदी 50 हजार रुपए जब्त किया है। इसी तरह नेवरा पुलिस ने ऑनलाइन सट्टा लिखते आरोपी मनोज सोनी 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से एक मोबाइल जब्त किया है।

अवैध शराब बेचने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में अवैध शराब बेचने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 90 पाव देशी शराब, क्रिी रकम 830 रुपए और एक बाइक जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार उरला पुलिस ने बीरगांव ईतवारी बाजार के पास अवैध शराब बेचते आरोपी डोमन बंछोर 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 35 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह खरोरा पुलिस ने ग्राम खौली तालाब पार में आरोपी गौतम चंद्राकर 37 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 39 पाव देशी शराब, बाइक व बिक्री रकम 380 रुपए जब्त किया है। वहीं मंदिरहसौद पुलिस ने ग्राम तुलसी रावणभाठा में आरोपी राजेश्वर बंजारे 32 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 16 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 450 रुपए जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

चाकू लहराते युवक पकड़ाया

रायपुर। गुढियारी पुलिस ने कुंदरापारा में चाकू लहराते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार गुढियारी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कुंदरापारा में चाकू लहराते आरोपी आकाश यादव 30 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

गांजा बेचते युवक गिरफ्तार

रायपुर। सरस्वती नगर पुलिस ने मोतीलाल नगर कोटा में एक युवक के पास से गांजा जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है। बता दें कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मोतीलाल नगर कोटा में एक युवक गांजा बेचने के लिए ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी लक्ष्मण जगत 32 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 1 किलो 350 ग्राम गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत 13500 रुपए के आसपास बताई जा रही है।

जनता कांग्रेस ने अनुसूचित जाति व महिला वर्ग को दी पहली प्राथमिकता, प्रथम सूची जारी

रायपुर। जनता कांग्रेस पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष संतोष सोनवानी ने आज राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. महताब रॉय एवं राष्ट्रीय महासचिव अमित वर्मा और प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अनुमोदन पश्चात छत्तीसगढ़ में आगामी 2023 विधानसभा चुनाव हेतु 32 विधायक प्रत्याशियों की प्रथम सूची जारी की। जिसमें भटगांव से बजरंग कुमार, सारंगढ़ से अनिता अजगले, रामपुर से विमल सिंह गोंड, कोरबा से शब्बीर कुमार जांगड़े, मरवाही से युगराज पोर्ते, बिल्हा से परमानंद महंत, अकलतरा से डॉ सुनील किरण, जांजगीर चांपा से डॉ कीर्तन लाल पटेल, शक्ति से जुगलकिशोर भारद्वाज, चंद्रपुर से श्रीमती सुनंदा राठौर, जैजैपुर से श्रीमती उर्मिला खूंटे, बसना से अशोक अजगले, बिलाईगढ़ से संतोष सोनवानी, कसडोल से डॉ पवन साहू, बलौदा बाजार से राजेंद्र कौसले, भाटापारा से अमरदास मातरे, धरसीवा से श्रीमती लछमिता खूंटे, रायपुर शहर पश्चिम से विकास कुमार सदाफ्ल।

प्रसाद से चावल के खरीदी को लेकर किया सवाल

चावल कोटे 86 लाख मी. टन से 61 लाख मी. टन क्यों किया

रायपुर/ संवाददाता

राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद आये थे, वे एक बार फ्रि झूठ परोस गये। जिन रविशंकर की आजकल भाजपा में कोई नहीं सुन रहा है। वे छत्तीसगढ़ की जनता को झूठ सुनाने आये थे। रविशंकर मुद्दाविहीन भाजपा के प्रलापों को आगे बढ़ा गये। रविशंकर प्रसाद और भाजपा जवाब दें- रमन सिंह के और उनके मंत्रियों के 1 लाख करोड़ के घोटाले पर क्यों चुप है रविशंकर प्रसाद? बतायें 36000 करोड़ के नान घोटाले और 6200 करोड़ के चिटफंड घोटाले, पनामा पेपर घोटाले पर मोदी सरकार जांच क्यों नहीं करवाती? अडानी के घोटालों पर क्यों मौन है? देश आज भी जानना चाहती है अडानी की कंपनियों में 20 हजार करोड़ किसके लगे है? भाजपाई खुद को सनातनी बताते हैं तो बतायें 15 सालों में माता कौशल्या के मंदिर और राम वन गमन पथ को उपेक्षित क्यों रखा? राम वन गमन पथ को क्यों नहीं बनाया? महादेव एप्प पर केंद्र सरकार बैन क्यों नहीं लगाती? महादेव एप्प पर कार्यवाही करने गयी छत्तीसगढ़ सरकार को योगी सरकार ने मुकदमा क्यों दर्ज किया? आरोपियों को क्यों बचाया? महादेव एप्प पर कार्यवाही तो अकेले छत्तीसगढ़ सरकार ने किया है। भाजपा के एक राष्ट्रीय नेता जो एक राज्य में महत्वपूर्ण पद पर है, जो छत्तीसगढ़ से आते है। उनका महादेव एप्प के सरगना और उसके सहयोगी से क्या संबंध है? 7 लाख प्रधानमंत्री आवास को मोदी सरकार ने क्यों रोका था? जिसके कारण भूपेश सरकार को ग्रामीण आवास योजना शुरू करना पड़ा और आवासहीनों के खाते में पहला किश्त भी डाल दिया। भाजपा बतायें वह जातीय जनगणना के पक्ष में है या खिलाफ में? भाजपा देश की जनगणना क्यों नहीं करवा रही है? केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ से चावल लेने का कोटा क्यों घटाया? 86 लाख की एमओयू करके उसे 61 लाख क्यों किया? भाजपा ने राजभवन में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण विधेयक को

रोकने का षड़यंत्र किया जिसमें एसटी को 32 प्रतिशत, एससी को 13 प्रतिशत, आर्थिक पिछड़े को 4 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मोदी सरकार गंगाजल से लेकर कफ्न तक में जीएसटी वसूल रही है। सनातन परंपरा में पवित्र गंगाजल पर ही 18 प्रतिशत जीएसटी लगा दिये, सनातन के फर्जी ठेकेदार। अक्टूबर 2023 को केन्द्र की मोदी सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा जारी आदेश क्रमांक 11-05/2016ठक-डक के अनुसार डाकघर से विक्रय किये जाने वाले गंगाजल पर टैक्स लगाने का आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के परिपालन में पूरे देशभर में 6 अक्टूबर 2023 से गंगाजल पर 18 प्रतिशत जीएसटी वसूली गयी। गंगाजल के 35 रू. वाली बोतल में 18 प्रतिशत जीएसटी जुड़ी हुई है अर्थात उसका जो रेट है व जीएसटी के साथ है। हिन्दुस्तान के इतिहास में केन्द्र की मोदी सरकार पहली और इकलौती सरकार है जिसने गंगाजल पर टैक्स लगाया है। मोदी सरकार लूट, डकैती और पाखंड की पराकाष्ठा को पार कर चुकी है। दो दिन में नवरात्रि आने वाली है, माता की चुनरी से लेकर पूजन सामाग्री, अगरबत्ती, धूपबत्ती, इत्र, और दूध, दही तक को नहीं छोड़ा मोदी सरकार ने। पूजन में आसन, झंडे, बैनर और चुनरी के रूप में उपयोग में आने वाले बिना सिले हुये कपड़ो को भी मोदी सरकार ने टैक्स के दायरे में लाया है। जिस बेहरमी से अंग्रेज लगान वसूल करते थे उससे भी ज्यादा निर्दयता से केन्द्र की मोदी सरकार आम जनता के दैनिक उपभोग की वस्तुओं और पूजन सामाग्रियों पर टैक्स वसूल रही है। गाय, गोबर, गंगाजल और भगवान भी भारतीय जनता पार्टी के लिये केवल वोट और नोट संग्रहण का माध्यम है। मोदी राज में सनातन और सनातनियों पर जितने अन्याय और अत्याचार हो रहे है, देश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुई है। एआईसीसी संचार विभाग की कोआडिनेटर राधिका खेरा ने कहा कि आज रविशंकर प्रसाद छत्तीसगढ़ पधारे है उनका स्वागत है।

विधानसभा चुनाव.......मुझे खुशी मिली इतनी कि मन में न समाए

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों की चयन प्रक्रिया पूरी होने और दिल्ली में केंद्रीय चुनाव कमेटी की मुहर लग जाने की खबरों के बीच यह एक ऐसी तस्वीर सामने आई है जो बहुत कुछ कह रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सांसद दीपक बैज के दिल्ली दौरे के वक्त की यह तस्वीर इशारा कर रही है कि मुस्कान का अर्थ क्या है? एक तो भारी मंथन के बाद कांग्रेस ने सभी सीटों पर सिंगल नाम तय कर लिए। इस पर केंद्रीय नेतृत्व भी संतुष्ट है। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष के साथ कांग्रेस के संगठन और प्रशासन महामंत्री मलकीत सिंह गैन्दू कदम कदम पर अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करते रहे हैं। चुनाव के समय संगठन का सबसे बड़ा काम हजारों दावेदार में से उम्मीदवार चुनना ही होता है। हर बात पर बारीकी से ध्यान देना होता है। कांग्रेस ने यह जटिल काम निबटा लिया है तो इसकी स्वाभाविक खुशी इन तीन चेहरों पर दिखनी ही है। एक खास बात यह भी है कि कांग्रेस के सबसे वजनदार महामंत्री गैन्दू मुख्यमंत्री और पीसीसी चीफदोनों के ही वफादार सिपाही हैं। वे बस्तर से हैं और वह भी बस्तर संभाग की इकलौती विधानसभा सीट जगदलपुर से हैं। वे इंद्रावती विकास प्राधिकरण के ओहदेदार भी हैं और जगदलपुर सीट से उनकी दावेदारी जबरदस्त तरीके से उभरी है। भाजपा ने जगदलपुर में प्रत्याशी बदल दिया है और कांग्रेस में मौजूदा विधायक रेखचंद जैन के अलावा कई दावेदार सामने आए। मगर पहले दौर से ही यह माना जा रहा है कि विधायक को टिकट नहीं मिली तो गैन्दू की लॉटरी खुलेगी। बाकी दावेदार कट छंट गए थे। अब दिल्ली में सारा कुछ हो चुका है। ऐलान ही बाकी है। क्या यह चमकदार मुस्कान यही इशारा कर रही है? गौरतलब है कि अभी कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जब महिला सम्मेलन में आईं थीं तब उन्हें गैन्दू का परिचय झीरम कांड के चश्मदीद के तौर पर कराया गया था।

शहर के चौराहों में कहीं सिग्नल बंद, कहीं पीली के बाद फ्रि जल रही लाल लाइट

रायपुर। राजधानी अब स्मार्टसिटी भी है, लेकिन स्मार्ट सुविधाएं नहीं हैं. शहर के प्रमुख इलाकों में लगे ट्रैफिक सिग्नल पिछले कई दिनों से बंद पड़े हैं. इससे ट्रैफिक व्यवस्था बिगड़ रही है। इसके साथ ही हर समय सड़क हादसा होने का खतरा भी रहता है. जिम्मेदार ट्रैफिक सिग्नलों को सुधारवा नहीं रहे हैं. इससे आम लोगों के अलावा कारोबारी, ट्रांसपोर्टर, नौकरीपेशा जैसे लोगों को रोज परेशानी हो रही है. ट्रैफिक सिग्नल के साथ सड़क के कट पर बने ब्लींकर भी बंद हैं. पीली बत्ती के बाद फ्रि लाल बत्ती जल जाती है. इससे भी वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है. पचपेड़ीनाका चौक से लेकर बोरियाकला तक करीब 8 किमी लंबी सड़क पर तीन बड़े चौराहे और कई कट हैं.

भाजपा द्वारा की गयी बयानबाजी पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति

झीरम नरसंहार भाजपा की सोची समझी साजिश थी..

रायपुर/ संवाददाता

झीरम कांड के संदर्भ में भाजपा द्वारा की गयी बयानबाजी पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति व्यक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि झीरम नरसंहार भाजपा की सोची समझी साजिश का हिस्सा थी। झीरम घाटी कांड एक ऐसा कांड था जिसने कांग्रेस के नेतृत्व की एक पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर दिया था। स्वतंत्र भारत में हुई दुर्दान्त और हृदय विदारक घटना भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में डॉ. रमन सिंह के राज में घटित हुई थी इसके गुनाहगारों को सजा जरूर मिलनी चाहिये। प्रदेश

कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने के बाद कांग्रेस सरकार ने झीरम हमले की जांच के लिये एसआईटी का गठन किया था लेकिन भाजपा की केंद्र सरकार एनआईए से झीरम की फाइल एसआईटी को नहीं देने दिया। जैसे ही झीरम घाटी कांड की जांच की बात आती है पता नहीं क्यों भाजपा के बड़े-बड़े नेता घबराने लगते है, किसी न किसी प्रकार से वे इसकी जांच को बाधित करने में जुट जाते हैं, कभी बयानबाजी करते हैं, कभी आंदोलन करते हैं, कभी कोर्ट की शरण में जाते हैं, पीआईएल दायर करते हैं, यानी किसी भी प्रकार से भाजपा झीरम घाटी की जांच को होने ही नहीं देना चाहती है। भाजपा जांच को बाधित करना चाहती है। झीरम न्यायिक आयोग की जांच पर रोक का पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक स्टे लेकर आये थे। भाजपा डरती है झीरम का सच सामने आ जायेगा तो वह बेनकाब हो जायेगी।

भाजपा के प्रत्याशियों में 5 वीं पास से लेकर डॉक्टर,वकील शामिल....

रायपुर। संवाददाता

भाजपा द्वारा घोषित दूसरी सूची के प्रत्याशियों में शिक्षा के मामले में मिली-जुली योग्यता है। कोई पांचवी, 10 वीं, 12 वीं पास हैं, तो ज्यादातर प्रत्याशी पोस्ट ग्रेजुएट और ग्रेजुएट है। इसी सूची में घोषित प्रत्याशियों में डाक्टर, वकील और पॉलिटेक्निक कॉलेज भी किए हुए हैं। वकालत डिग्री धारी वाले प्रत्याशियों की संख्या 8 हैं, तो डॉक्टरों की संख्या 4 हैं। इसमें एमबीबीएस किए वाले प्रत्याशी तीन हैं, जबकि बीएएमएस वाले एक हैं। सूची में दो पूर्व आईएएस भी प्रत्याशी हैं। सूची में सिर्फएक ही प्रत्याशी पांच वीं पास है, जिनका नाम ईश्वर साहू है, जिन्हें साजा से प्रत्याशी बनाया गया है। इसी तरह 10वीं पास की संख्या 5 और 12 वीं पास की संख्या 13 हैं। प्रत्याशियों की शैक्षणिक योग्यता कम ज्यादा है, लेकिन कुछेक को छोड़ दें, तो ज्यादातर प्रत्याशी कम शैक्षणिक योग्यता के बावजूद राजनीति में लंबे समय से सक्रिय हैं। कुछ तो 15 साल तक मंत्री और विधायक भी रहे हैं। इनकी राजनीति का अच्छे-अच्छे नेता भी लोहा मानते हैं। वकालत की डिग्री वाले ये प्रत्याशी- वकालत की डिग्री रखने वाले भाजपा प्रत्याशियों में पार्टी के वरिष्ठ विधायकों में ननकीराम कंवर और बृजमोहन अग्रवाल भी शामिल हैं। इनके अलावा रायपुर उत्तर सीट से प्रत्याशी बनाए गए पुरंदर मिश्रा के पास एलएलएम की डिग्री है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, बिलासपुर सांसद और अब लोरमी सीट से प्रत्याशी अरुण साव भी वकील हैं। धरमलाल कौशिक और जगदलपुर से प्रत्याशी किरणदेव भी एलएलबी किए हुए हैं। भाजपा प्रत्याशी संतोष लहरे, टंकराम वर्मा के पास भी एलएलबी की डिग्री है, जबकि कृष्णकांत ने एलएलबी प्रथम वर्ष तक की पढ़ाई की है। इनके पास डॉक्टर की डिग्री- प्रत्याशियों की सूची में पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ भाजपा के मस्तुरी विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी एमबीबीएस डॉक्टर हैं। वहीं दिनेश लाल एमबीबीएस (एमडी) हैं, जबकि खिलावन साहू एमबीबीएस (एमएस) हैं। दो पूर्व आईएएस-प्रत्याशियों में दो पूर्व आईएएस हैं, इनमें ओपी चौधरी और नीलकंठ टेकाम शामिल हैं। इसी तरह एक पद्मश्री और छत्तीसगढ़ी फिल्मों के एक्टर अनुज शर्मा, दो विधानसभा के पूर्व स्पीकर धरमलाल कौशिक और प्रेम प्रकाश पांडेय सहित 12 पूर्व मंत्री भी शामिल हैं।

पुरंदर मिश्रा का रणनीतिक दौरा हुआ तेज, पार्टी के पदाधिकारियों से की मुलाकात,चुनावी प्रचार अभियान की तैयारी

रायपुर। राजधानी के उत्तर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी पुरंदर मिश्रा चुनावी रण पर सक्रियता के साथ पहले ही दिन से उतर चुके हैं। फ्लिहाल प्रदेश और जिला संगठन के अलावा मंडल और वार्ड के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ उनकी रणनीतिक चर्चाएं हो रही हैं एवं जल्द ही मतदाताओं के बीच मुलाकात और संवाद का अभियान शुरु हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी ने मिशन 2023 के तहत छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए जनाधार वाले प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। राजधानी रायपुर के उत्तर विधानसभा क्षेत्र की जटिल परिस्थितियों को समझते हुए संगठन ने क्षेत्र के सक्रिय और लोकप्रिय होने के साथ मजबूत जनाधार वाले व्यक्तित्व के तौर पर कुशल राजनेता पुरंदर मिश्रा पर भरोसा व्यक्त किया है। बीते सोमवार को भाजपा ने जैसे ही अपनी दूसरी सूची जारी की, जिसमें उत्तर विधानसभा से पुरंदर मिश्रा के नाम पर मुहर लगी है, उसके तुरंत बाद से ही मिश्रा पूरी सक्रियता के साथ चुनावी अभियान में जुट गए हैं। पहले उन्होंने जहां रायपुर की शेष तीन सीटों के प्रत्याशियों बृजमोहन अग्रवाल, राजेश मूणत और मोतीलाल साहू से भेंट मुलाकात की।

पदनाम लिखने वाले वाहनों व वाहनों में प्रेशर हार्न पर कार्यवाही की गई

■ आदर्श आचार संहिता का पालन कराने मोटरयान अधिनियम के तहत उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर लगातार की जावेगी कार्यवाही

रायपुर/ संवाददाता

पुलिस अधीक्षक के द्वारा निर्देश पर उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) द्वारा आदर्श आचार संहिता का पालन कराने मोटरयान अधिनियम के तहत उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर निगाह रखते हुए सख्त कार्यवाही किया जावेगा। वाहनों के नंबर के स्थान पर नंबर प्लेट में नाम, पदनाम लिखने वाले व वाहनों में प्रेशर हार्न, हुटर, सायरन आदि का प्रयोग करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्यवाही की जावेगी। वाहनों में ध्वनि विस्तारक यंत्र लगाकर चलने वाले वाहन चालकों पर भी विधिसम्मत कार्यवाही की जावेगी। वाहन चालक ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग प्रात: 06:00 बजे रात्रि 10:00 बजे तक ही करेगें। रात्रि 10:00 बजे के बाद ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग करते पाये जाने पर कोलाहल अधिनियम के तहत वाहन एवं वाहन में लगे ध्वनि विस्तारक यंत्रों का जब्ती कार्यवाही की जावेगी, साथ ही शैक्षणिक संस्थाओं, चिकित्सालयों व नर्सिंग होम, न्यायालय परिसर शासकीय कार्यालय, छात्रावास, नगर पालिका परिसर,जनपद पंचायत एवं किसी भी स्थानीय निकाय, कार्यालयों, बैंको पोस्ट आफिस, दूरभाष केन्द्र आदि कार्यालय से 20 मीटर दूरी के भीतर ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा। उल्लंघन करने वाले पर सख्त कार्यवाही की जावेगी। वाहन चालकों एवं व्यवसायियों द्वारा कोई भी सामान (कपड़ा, जेवर, घरेलू उपयोग के सामान) आदि लाते ले जाते है तो सामान का संपूर्ण कागजात लेकर चलें, वाहन चेकिंग के दौरान संदिग्ध मिलने पर विधिसम्मत कार्यवाही की जावेगी। धमतरी पुलिस आमजनों, वाहन चालकों, व्यवसायियों से अपील करती है।

आदर्श आचार्य संहिता- एक्शन मोड़ में पुलिस

छत्तीसगढ़ में आदर्श आचार संहिता लागू होते ही श्री प्रशांत कुमार अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जिला रायपुर के निर्देशन पर श्री सचिंद्र कुमार चौबे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रायपुर के द्वारा चेकिंग कार्यवाही को लेकर यातायात रायपुर में पदस्थ सभी अधिकारी, बीट पेट्रोलिंग का बैठक आयोजित कर आवश्यक निर्देश दिए

संकट के समय अगर धर्म का साथ रहेगा तो सफलता के द्वार खुलते हैं

यदि आपकी धर्म में सच्ची आस्था है तो आप कभी भी अपने आप को असहाय नहीं समझेंगे: प्रवीण.....

रायपुर/ संवाददाता

उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने कहा कि संकट के समय अगर धर्म का साथ रहेगा तो सफ्लता के द्वार खुलते हैं। धर्म का साथ रहता है तो सौभाग्य का उदय होता है। धर्म का साथ छोड़ा तो पाप का उदय होता है। धर्म के प्रति आस्था रहेगी तो मनुष्य कभी अपने आप को लाचार नहीं समझेगा। जैसे श्रीपाल की आस्था थी नवकार महामंत्र के प्रति। उसने कभी अपने आप को अकेला नहीं समझा। वह अकेला ही निकला था अपनी पहचान बनाने। उसके साथ मैनासुन्दरी की तपस्या और धर्म के प्रति आस्था थी। शुक्रवार को श्रीपाल-मैनासुन्दरी की कथा सुनाते हुए प्रवीणऋषि ने धर्मसभा को कहा की जीवन में संकट नहीं आते, ऐसा हो नहीं सकता। लेकिन संकट के

समय आप क्या सोचते हो? आप यही कहते हो कि यह मेरे पिछले जन्मों का पाप है। यह पाप का उदय नहीं है, धर्म का जागरण है, धर्म के प्रति आस्था जगाने का समय है। जीवन में अगर तीर्थंकर नामकर्म कर बंद हो गया तो पाप कर्मों के रास्ते अपने आप ख़त्म हो जाते हैं। तीर्थंकर से परिचय हो गया तो पाप समाप्त हो जाते हैं। धर्म की प्रतिज्ञा पुण्य है। धर्म की राह पर चलते हुए कोई परिस्थिति आ जाए हुए अगर हम यह सोचें कि पिछले जन्मों का पाप है तो हम धर्म की निंदा करते हैं। प्रतिज्ञा लेकर धर्म करना और इस प्रतिज्ञा का पालन करना पुण्य है। और यही हमें सामर्थ्य देता है उन संकटों को जीतने का। शिखर पर पहुँचने के लिए पुण्य लगता है, शिखर से गिरने के लिए पाप। तपस्या करते समय तकलीफहो तो कभी मत सोचना कि पाप का उदय है, यह धर्म का उदय है। कहानी को आगे बढ़ाते हुए उपाध्याय प्रवर ने कहा कई श्रीपाल उज्जैन में मजे से रह रहा था। सभी सुख सुविधाएँ थीं। एक दिन जब वह वन विहार कर लौट रहा था तो उसके दर्शन के लिए प्रजा रास्ते पर खड़ी थी, सभी उसके रूप को निहार रहे थे। वहीं एक माँ अपने बच्चे को गोद में लेकर खड़ी थी। श्रीपाल को देखकर बच्चे ने अपनी माँ से पूछा कि ये कौन हैं? माँ ने जवाब दिया कि ये हमारे राजा के जवाई हैं। माँ का यह जवाब सुनकर श्रीपाल के दिल को चुभ गई। उसने सोचा कि मेरी यही पहचान है, राजा का जंवाई? क्या मेरी खुद की कोई पहचान नहीं है? घर पहुंचा, माँ ने देखा कि बेटे का चेहरा मुरझाया हुआ ह।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com